04 - संगठन चुनाव बनाम दलों में आंतरिक लोकतंत्र की समाप्ति

05 - मौन ही है सभी साधनाओं का आधार

A Daily News Magazine
इंदौर
बुधवार, 29 जनवरी, 2025

06 - पवित्र नगरी मुलताई में शराब बंदी के फैसले से पूरे जिले में हर्ष, ताप्ती लोक...

07 - बिजली बिल के बोझ से बंद हुई नल जल योजना, पानी के लिए...

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित
वर्ष 10 अंक 119, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्या: MP/IDC/1529/2016-2018)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

राहुल गाँधी को 'बेईमान' बता हास्यास्पद हो गये हैं केजरीवाल!

पंकज श्रीवास्तव

राहुल गाँधी की तस्वीर 'बेईमानों की लिस्ट में' शामिल करके अरविंद केजरीवाल ने एक बार फिर साफ़ किया है कि भ्रष्टाचार विरोध उनके लिए किसी प्रतिबद्धता का नहीं महज़ रणनीति का नाम है। खुद को 'कट्टर ईमानदार' और विरोधियों को बेईमान बताना उनकी पुरानी अदा है, लेकिन इस सूची में राहुल गाँधी का नाम दर्ज करके उन्होंने अपनी भ्रष्टाचार विरोधी भंगिमा को हास्यास्पद बना दिया है। राहुल गाँधी से मतभेद रखने वाले भी उनकी ईमानदारी और निर्भयता पर शक़ नहीं कर सकते। तमाम एजेंसियों की उछल-कूद के बावजूद राहुल गाँधी जिस तरह जेल भेजने की चुनौती देते हुए मोदी सरकार के सामने तन कर खड़े हैं, वह इसका सबसे बड़ा सबूत है।

बिना किसी सबूत के भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाना और फिर फँसने पर माफ़ी माँग लेना केजरीवाल की राजनीतिक यात्रा का एक स्थायी भाव रहा है। उनके राजनीतिक जीवन की नींव डालने वाला भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन भी इसकी मिसाल है। याद कीजिए, जनलोकपाल को लेकर जंतर-मंतर पर शुरू किया किया गया आंदोलन। वहाँ मंच पर तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, वित्तमंत्री प्रणब मुखर्जी समेत 15 मंत्रियों को बेईमान बताते हुए पोस्टर लगाये गये थे। अचानक प्रणब मुखर्जी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनने का ऐलान हो गया तो उन्हें 'बेईमान' बताने वाली तस्वीर पर सवाल उठने लगा। 25 जुलाई 2012 को प्रणब मुखर्जी राष्ट्रपति बन जाने की ख़बर आयी तो असहज स्थिति से बचने के लिए उनकी तस्वीर पर चादर डाल दी गयी। लेकिन तेवर कड़े ही थे।

उस वक्त हाफ़ शर्ट पहने दुबले-पतले अरविंद केजरीवाल ने माइक सँभाल कर जो कुछ कहा था, वह यूट्यूब पर आज भी उपलब्ध है। केजरीवाल ने कहा था, 'प्रणब मुखर्जी के भ्रष्टाचार के कम से कम चार आरोपों के सबूत हम लोगों ने प्रधानमंत्री और सोनिया गाँधी को दो महीने पहले भेजे थे। उन्होंने उन भ्रष्टाचार के आरोपों की जाँच कराने से मना कर दिया। आज वह हमारे देश के राष्ट्रपति बन गये। साढ़े बारह साल बाद परिदृश्य यह है कि केजरीवाल के तमाम सबूत झूठ का पुलिंदा साबित हो चुके हैं। केजरीवाल पक्ष-विपक्ष के कम से कम दस नेताओं से लिखित माफ़ी माँग चुके हैं जिन पर पर उन्होंने भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था और मानहानि के शिकंजे में फँस गये थे।'

जिन मनमोहन सिंह की तस्वीर जंतर-मंतर पर महाभ्रष्ट प्रधानमंत्री के रूप में लगायी गयी थी, पिछले दिनों उनके निधन के बाद केजरीवाल एक ईमानदार प्रधानमंत्री के रूप में श्रद्धांजलि देते नजर आये। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत शीला दीक्षित को भी अब केजरीवाल बहुत इज़्ज़त से याद करते हैं। पिछले दिनों उन्होंने नयी दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में प्रचार के दौरान बीजेपी प्रत्याशी प्रवेश वर्मा को निशाना बनाते हुए कहा, यह वही केजरीवाल हैं जिन्होंने दिसंबर 2013 के चुनाव में दिल्ली के हज़ारों ऑटोरिक्शा पर एक ख़ास पोस्टर लगवाया था। उस पोस्टर में एक तरफ़ शीला दीक्षित की तस्वीर के ऊपर 'बेईमान' और दूसरी तरफ़ केजरीवाल की तस्वीर पर 'ईमानदार' लिखा गया था। जनता से पूछा गया था कि वह ईमानदार चुनेगी या बेईमान? केजरीवाल मुख्यमंत्री आवास पर लगे 12 एयरकंडीशनरों को शीला दीक्षित की 'अय्याशी' का सबूत बताते घूम रहे थे। पर अब केजरीवाल की नज़र में शीला दीक्षित शरीफ़ राजनेता थीं और राहुल गाँधी 'बेईमान' नेताओं में शामिल कर लिये गये हैं। यह अलग बात है कि कभी 'बड़ा बँगला न लूँगा' कहने वाले केजरीवाल 45 करोड़ का शीशमहल बनवाने को लेकर निशाने पर हैं और शराब नीति घोटाले में जेल जा चुके हैं। तमाम शर्तों के साथ उन्हें सुप्रीम कोर्ट से ज़मानत मिल सकी है। ये शर्तें इतनी कड़ी हैं कि केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफ़ा देकर आतिशी सिंह को अपनी खड़ाऊँ सौंपनी पड़ी।

अब तक के घटनाक्रम गवाह हैं कि केजरीवाल के आरोपों पर भरोसा करने वाले ठगे गये हैं। उन्होंने अपने दाँव-पेच से दो बार दिल्ली की सत्ता तो हासिल कर ली लेकिन उन लाखों लोगों का भरोसा तोड़ दिया जिन्होंने उन पर आँख मूँदकर भरोसा किया था। तब सैकड़ों नौजवानों ने नौकरी छोड़कर भ्रष्टाचार विरोधी अन्ना आंदोलन में हिस्सा लिया था। वे हैरान हैं कि 2013 के आख़िर में कांग्रेस के साथ सरकार बनाने वाले केजरीवाल ने जिस जनलोकपाल को लेकर डेढ़ महीने में ही इस्तीफ़ा दे दिया था, वह उनके दस साल के शासनकाल में कोई शक्ल क्यों नहीं ले सका? दिल्ली में कोई समस्या थी तो पंजाब में तो लागू हो ही सकता था, लेकिन अब पार्टी इसका नाम तक नहीं लेती। दिल्ली में एमसीडी भी आम आदमी पार्टी के हाथ में है तो फिर शहर इतना गंदा क्यों है? न यमुना साफ़ हुई और न शहर की हवा ही साँस लेने लायक़ है। और ईमानदार राजनीति का दावा तो शराब नीति घोटाले की परतें उघड़ने के साथ ही चुटकुला साबित हो चुका है। गोवा, गुजरात और अन्य प्रदेशों में आम आदमी पार्टी ने चंदा लेकर चुनाव लड़ा, इसकी कोई सूचना नहीं है। फिर पैसा आया कहाँ से? अपनी किताब 'स्वराज' में केजरीवाल ने जिस पारदर्शी और जवाबदेह शासन की रूपरेखा प्रस्तुत की थी, उसे आज़माया क्यों नहीं जाता?

ज़ाहिर है, केजरीवाल उन तमाम कसौटियों के सामने बौने साबित हुए हैं जो उन्होंने ही राजनीति और राजनेताओं को कसने के लिए बनायी थीं। चुनाव में विपक्ष इसे मुद्दा बनाये, यह स्वाभाविक है। दिल्ली चुनाव में तीसरा कोण बनने में जुटी कांग्रेस अगर खुलकर सरकार पर सवाल उठा रही है तो विपक्ष का धर्म निभा रही है। राहुल गाँधी ने केजरीवाल से जाति जनगणना और आरक्षण की सीमा पर राय स्पष्ट करने की माँग करके उनकी राजनीति की सीमा उजागर कर दी है। जवाब में आम आदमी पार्टी की ओर से राहुल गाँधी को ही 'बेईमान' बताने का अभियान शुरू कर दिया गया है। बीजेपी निश्चित ही इससे काफ़ी ख़ुश होगी क्योंकि उसे पता है कि असल ख़तरा राहुल गाँधी और उनकी बढ़ती स्वीकार्यता से है।

केजरीवाल की सफलता से बीजेपी को कोई धक्का नहीं लगता, लेकिन राहुल गाँधी को मिला जनसमर्थन उसे हिला देता है जो बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व को सीधी चुनौती देते हैं। ज़ाहिर है, जंतर-मंतर पर प्रणब मुखर्जी की तस्वीर पर पर्दा डालने वाले केजरीवाल की राजनीति अब पूरी तरह बेपर्दा हो चुकी है। उन्होंने क़रीब 25 साल बाद भ्रष्टाचार के ख़िलाफ़ सड़क पर उमड़ी जनता को इस क़दर मायूस किया है कि बहुत से लोग अब भ्रष्टाचार को कोई मुद्दा ही नहीं मानते।

(सत्य हिंदी पर प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

म.प्र. हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

ओबीसी को 27 प्रतिशत मिलेगा आरक्षण, 87-13 का फार्मूला रद्द

जबलपुर (नप्र)। हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत व न्यायमूर्ति विवेक जैन की युगलपीठ ने यूथ फॉर इक्वलिटी की वह याचिका मंगलवार को निरस्त कर दी, पूर्व में जिसकी सुनवाई करते हुए 87-13 का फार्मूला तैयार किया गया था।

इसी के साथ राज्य में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण का रास्ता साफ हो गया है। भर्तियों में 13 प्रतिशत होल्ड पर भी अनहोल्ड किए जाने का पथ प्रशस्त हो गया है। साथ ही ओबीसी आरक्षण को लेकर लंबे समय से चले आ रहे विवाद का भी पटाक्षेप हो गया है।

87 - 13 का फार्मूले के कारण शेष पदों पर लंबित थी भर्तियां- वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर ने बताया कि महाधिवक्ता के अभिमत के कारण चार अगस्त, 2023 को हाई कोर्ट ने समस्त भर्तियों में 87-13 का फार्मूला लागू किया था।

हाईकोर्ट का यह आदेश राज्य में आरक्षण से संबंधित विवाद को समाप्त करने और भर्ती प्रक्रिया को सुचारु रुप से शुरु करने के लिए एक अहम कदम है।

इससे सरकार को आरक्षण नीति के तहत काम करने की स्पष्टता मिलेगी और भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही प्रदेश में रुकी हुई सभी भर्तियों को अनहोल्ड करने का रास्ता साफ हो गया है। सरकार अब ओबीसी आरक्षण के तहत 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करते हुए भर्तियों को तेजी से आगे बढ़ा सकती है। इससे ओबीसी वर्ग के उम्मीदवारों को बड़ा लाभ मिलेगा, जो लंबे समय से अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे थे।

87-13 का फार्मूले से भर्तियां ठप- चार अगस्त 2023 को हाई कोर्ट ने एक अंतरिम आदेश के तहत राज्य सरकार को 87-13 का फार्मूला लागू करने का निर्देश दिया था। इस आदेश के बाद प्रदेश की सभी भर्तियां ठप हो गई थीं।

सरकार ने यह फार्मूला महाधिवक्ता के अभिमत के आधार पर तैयार किया था, जिसके तहत 87 प्रतिशत सीटें अनारक्षित और 13 प्रतिशत सीटें ओबीसी के लिए रखी गई थीं। इससे 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण की मांग करने वाले उम्मीदवारों में आक्रोश था।

27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण को चुनौती दी गई थी

यूथ फार इक्वलिटी द्वारा दायर याचिका में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण को चुनौती दी गई थी। याचिकाकर्ताओं का तर्क था कि यह आरक्षण संविधान के प्रावधानों का उल्लंघन करता है और समानता के अधिकार को प्रभावित करता है। हाई कोर्ट ने इस तर्क को खारिज करते हुए याचिका को अस्वीकार कर दिया।

हाई कोर्ट ने मंगलवार के आदेश में चार अगस्त, 2023 के आदेश को रद्द कर दिया और स्पष्ट किया कि ओबीसी आरक्षण को लेकर कोई बाधा नहीं है। कोर्ट के इस फैसले के बाद राज्य में रुकी हुई सभी भर्तियों को फिर से शुरु करने का रास्ता साफ हो गया है। इस फैसले से उन लाखों उम्मीदवारों को राहत मिलेगी, जिनकी भर्तियां कोर्ट के आदेश के चलते होल्ड पर थीं।

सुप्रभात

वही आंगन, वही खिड़की,
वही दर याद आता है,
मैं जब भी तन्हा होता हूँ,
मुझे घर याद आता है।
मेरे सीने की हिचकी भी,
मुझे खुलकर बताती है,
तेरे अपनों को गाँव में,
तू अक्सर याद आता है।
जो अपने पास हों उनकी
कोई क़ीमत नहीं होती,
हमारे भाई को ही लो,
बिछड़कर याद आता है।
सफलता के सफ़र में तो
कहाँ फ़ुर्सत कि कुछ सोचें
मगर जब चोट लगती है,
मुक़द्दर याद आता है।
मई और जून की गर्मी
बदन से जब टपकती है,
नवम्बर याद आता है,
दिसम्बर याद आता है।

– आलोक श्रीवास्तव

भोपाल। 'लोकरंग' में मंगलवार को बुंदेलखंड के कलाकारों ने मनमोहक नौरता नृत्य प्रस्तुत किया। फोटो– प्रवीण वाजपेयी

पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है : मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश-जापान की मित्रता का नया अध्याय शुरु करेगी यह यात्रा

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व बन्धुत्व की भावना के साथ नई वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है। जापान ऐतिहासिक रूप में गौतम बुद्ध की परंपरा से जुड़ा है और भारत गौतम बुद्ध की धरती है। भारत और जापान का सदियों से परस्पर संबंध रहा है। प्राचीनकाल से आधुनिक युग तक जापान का समृद्ध इतिहास रहा है। विनाशकारी भूकंपों और प्राकृतिक आपदाओं से उबरने में जापान द्वारा दिखाई गई उद्यमशीलता को नमन करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस जीवटता से जापान ने विश्व में विशेष पहचान बनाई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव जापान स्थित भारतीय दूतावास में आयोजित शो इंटरैक्टिव सेशन ऑन 'इनवेस्टमेंट अर्पोचुनिटीज इन मध्यप्रदेश' के अवसर पर उद्योगपतियों से संवाद कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि इस यात्रा से मध्यप्रदेश-जापान की मित्रता में एक नये अध्याय की शुरुआत होगी।

सेक्टर केन्द्रित नीतियां निवेशकों को आकर्षित कर रही हैं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि फूड पार्क्स, आईटी पार्क्स, प्लास्टिक पार्क, मेडिकल डिवाइस पार्क, सोलर इक्विपमेंट पार्क, फूट वियर पार्क, ईवी पार्क, टेक्सटाईल पार्क, गारमेंट पार्क, प्लग एंड प्ले जोन, सेमीकंडक्टर पार्क आदि क्षेत्रों में मध्यप्रदेश में समान रूप से संभावना बनी है। राज्य सरकार की गारमेंट, लॉजेस्टिक्स, ईवी, खाद्य प्रसंस्करण, इथेनॉल, आईटी, फार्मा, मेडिकल डिवाइसेस इत्यादि सेक्टर्स पर केन्द्रित विशेष नीतियाँ निवेशकों को आकर्षित कर रही हैं। मध्यप्रदेश फूड बॉस्केट कहलाता है, इससे कई सेक्टर जुड़े हैं, जिनसे संबंधित व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ाने के लिए सभी ओर से प्रोत्साहन मिल रहा है।

जापान से जुड़े हैं मध्यप्रदेश के व्यावसायिक संबंध

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जापान अपनी विशिष्ट जीवन शैली और औद्योगिक शैली के आधार पर आर्थिक संपन्नता में महत्वपूर्ण उपलब्धि अर्जित करने वाला देश है। प्रसन्नता और गर्व का विषय है कि जापान से मध्यप्रदेश के व्यावसायिक संबंध भी जुड़े हैं। वर्ष 2023-24 में मध्यप्रदेश से जापान को 92.8 मिलियन डॉलर का निर्यात किया गया, इनमें एल्युमिनियम से बनी वस्तुएं, कार्बनिक रसायन, परमाणु रिएक्टर्स, बॉयलर्स, यांत्रिक उपकरण, फार्मास्युटिकल उत्पाद सहित अन्य मशीनरी शामिल हैं। जापान में मैन्युफैक्चरिंग और अन्य क्षेत्रों से जुड़े उद्योग भी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जापान के उद्योग समूहों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जापान में भारत के राजदूत श्री सिबी जॉर्ज का व्यवसायिक घरानों से जोड़ने के लिये निभाई गई महती भूमिका के लिये आभार माना।

महाकुंभ में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

बैरिकेडिंग तोड़ मेले में घुसे लोग, 3.90 करोड़ ने लगाई डुबकी

महाकुंभ नगर बना दुनिया का सबसे बड़ा जिला, हर ओर भीड़

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ नगर एक बार फिर विश्व का सबसे बड़ा जिला बन गया। आज प्रयागराज की आबादी साढ़े 4 करोड़ का आंकड़ा पार कर गई। मंगलवार को अभी तक 3.90 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। इसमें अगर जिले की आबादी करीब 70 लाख जोड़ ली जाए, तो प्रयागराज में एक दिन की संख्या 4.60 करोड़ रिकॉर्ड की गई। ऐसे में आबादी के लिहाज से विश्व के सबसे बड़े शहर टोक्यो को भी प्रयागराज ने पीछे छोड़ दिया। इससे पहले मकर संक्रांति पर भी 4.20 करोड़ लोगों के साथ प्रयागराज विश्व का सबसे बड़ा जिला बनने का रिकॉर्ड बना चुका है। वहीं, शास्त्री ब्रिज पर बैरिकेडिंग तोड़कर लोगों ने बैरिकेडिंग तोड़ दी। इसके बाद पुल से डायरेक्ट नीचे उतरने लगे। उधर, महाकुंभ के सेक्टर- 19 के बालक नंदन दास के शिविर में आग लगी। रसोई में खाना बनाते समय यह हादसा हुआ। आग से कुर्सी और रसोई में रखा सामान जल गया। फायर ब्रिगेड की 4 गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। आज सुबह,छ्त्न जोन भानु भास्कर और कमिश्नर ने सभी विभागों के अफसरों की इमरजेंसी मीटिंग बुलाई। छ्रू छ्त्रक्क, ढ्ढञ्क्क पुलिस, रेलवे आदि विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। हाई अलर्ट जारी किया गया है। आज प्रयागराज की सड़कें-गलियां फुल हैं।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 18 °c
न्यूनतम 13°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ बुधवार,29 जनवरी 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

पहली बार सेना की 'रोबोट फौज' के हुए दीदार

- गणतंत्र दिवस पर सेना ने किया अद्भुत शौर्य का प्रदर्शन
- दुश्मनों के दिल में भर देती है खौफ, निकाली परेड

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय सेना ने 26 जनवरी पर अपनी शौर्य का अद्भुत प्रदर्शन किया। इस बार गणतंत्र दिवस के दिन देश के दुश्मनों के मन में दहशत भरने के लिए भारतीय सेना ने विशेष रूप से तैयार किये गये रोबोट डॉग को दिखाया। रोबोट डॉग को लॉन्च कर भारतीय सेना ने पूरी दुनिया को चौंका दिया है। यह मशीनी कुत्ता पहली बार गणतंत्र दिवस के परेड में शामिल हुआ। रोबोट डॉग्स पूर्ण रूप से स्वदेशी तकनीक से बना है। इसे रिमोट कंट्रोल के माध्यम से नियंत्रित किया जाता है। रोबोट कुत्ता में ऐसी तकनीक फिट है कि जरूरत पड़ने पर यह अपना फैसला खुद ले सकता है। यह किसी बॉर्डर इलाके में पहरेदारी से लेकर काफी तेज दौड़ने में यह रोबोट डॉग सक्षम है। आर्मी डे परेड में शामिल इन रोबोट्स को चुनौती पूर्ण हालातों में सेना की मदद के लिए तैयार किया गया है। सेना में इनके शामिल होने से सैनिकों की जान पर खतरा कम होगा। इसमें लंबे समय तक चलने वाली बैटरी लगी है, जिससे यह कई घंटों तक बिना रुके कार्य कर सकता है। इसकी ऊर्जा दक्षता इसे कठिन परिस्थितियों में भी लंबे समय तक उपयोगी बनाती है। भारतीय सेना ने अत्याधुनिक तकनीक को अपनाते हुए रोबोट डॉग को अपनी सेना में शामिल किया है। यह कदम न केवल सेना की ताकत बढ़ाने की दिशा में है, बल्कि भविष्य के युद्धों और खतरनाक अभियानों में स्वचालित उपकरणों के उपयोग को लेकर सेना की तैयारी का संकेत भी देता है। यह रोबोट डॉग कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक सेंसर से लैस है। इसका डिजाइन ऐसा है कि यह किसी भी

परिस्थिति और इलाके में आसानी से काम कर सकता है, चाहे वह पहाड़ी क्षेत्र हो, रेगिस्तान हो, या फिर घने जंगल। यह बाधाओं को पहचानने और उन्हें पार करने की क्षमता रखता है। रोबोट डॉग का उपयोग सीमा पर निगरानी के लिए किया जा सकता है। इसमें लगे हाई-रेजोल्यूशन कैमरे और नाइट विजन तकनीक इसे दिन और रात दोनों समय प्रभावी बनाते हैं। यह दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने और सेना को खुफिया जानकारी प्रदान करने में सक्षम है। यह डिवाइस पर्यावरण-अनुकूल सामग्री से बना है और इसे टिकाऊ बनाया गया है ताकि यह लंबे समय तक कठिन परिस्थितियों में भी काम कर सके। इसके संचालन के दौरान यह कम शोर उत्पन्न करता है, जिससे दुश्मन को इसकी उपस्थिति का पता लगाना मुश्किल होता है। रोबोट डॉग में सामान या उपकरणों को ले जाने की क्षमता है।

भारत में कॉन्सर्ट इकोनॉमी की बढ़ रहीं संभावनाएं

प्रधानमंत्री मोदी ने कोल्डप्ले कॉन्सर्ट का किया जिक्र

भुवनेश्वर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भुवनेश्वर में उत्कर्ष ओडिशा-मेक इन ओडिशा कॉन्क्लेव 2025 में कोल्ड प्ले कॉन्सर्ट का जिक्र किया। उन्होंने कहा- मुंबई और अहमदाबाद में हुए ब्रिटिश रॉक बैंड कोल्डप्ले के कॉन्सर्ट की शानदार तस्वीरें आपने देखी होंगी। भारत में ऐसे लाइव म्यूजिक कॉन्सर्ट की अपार संभावनाएं हैं। राज्य सरकारें और प्राइवेट सेक्टर बेसिक इन्फ्रास्ट्रक्चर और स्किल्स पर ध्यान दें तो

कॉन्सर्ट इकोनॉमी से हमारी अर्थव्यवस्था बढ़ सकती है। दुनिया भर के बड़े कलाकार भारत की ओर आकर्षित हो रहे हैं। मोदी बोले- पूर्वी भारत देश के विकास का इंजन मोदी ने मंगलवार को ओडिशा सरकार की बिजनेस समिट उत्कर्ष ओडिशा-मेक इन ओडिशा कॉन्क्लेव 2025 का उद्घाटन किया। ये कॉन्क्लेव 28 से 29 जनवरी तक जनता मैदान में आयोजित हो रहा है। मोदी ने कहा कि पूर्वी भारत देश के विकास का इंजन है और ओडिशा इसका एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब भारत का वैश्विक विकास में बहुत बड़ा योगदान हुआ करता था।

खुशखबरी ! अटल सेतु पर नहीं बढ़ेगा टोल टैक्स

महाराष्ट्र की सरकार ने एक साल तक लगाई रोक

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए अटल सेतु पर टोल दर को अगले एक साल तक बढ़ाने पर रोक लगाने की घोषणा की है। राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में यह फैसला लिया गया कि अटल बिहारी वाजपेयी शिवड़ी-न्हावा शेवा अटल सेतु के टोल टैक्स को 250 रुपये की दर पर एक और वर्ष तक जारी रखा जाएगा। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक साल पहले 12 जनवरी, 2024 को लगभग 22 किलोमीटर लंबे इस पुल का उद्घाटन किया था। यह पुल महाराष्ट्र में एक प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजना के पूरा होने का प्रतीक है। पुल दक्षिण मुंबई के सेवरी से शुरू होता है और एलीफेंटा द्वीप के उत्तर में ठाणे क्रीक को पार करता है और न्हावा शेवा के पास चिर्ले गांव में समाप्त होता है। यह फैसला मुंबई और एमएमआर क्षेत्र के लाखों यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। सरकार ने स्पष्ट किया कि अगले 12 महीनों तक टोल में किसी भी प्रकार की वृद्धि नहीं की जाएगी। गौरतलब है कि हाल ही में अटल सेतु पुल के जरिए मुंबई और नवी मुंबई के बीच यात्रा करना काफी किफायती हो गया है, क्योंकि नवी मुंबई नगर परिवहन (एनएमएमटी) ने किराए में 50 फीसदी से ज्यादा की कटौती की है। यह पुल क्षेत्र में यात्रा समय को कम करने और

कनेक्टिविटी में सुधार लाने में एक अहम भूमिका निभाता है। लगभग 17,840 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 'अटल बिहारी वाजपेयी शिवड़ी-न्हावा शेवा अटल सेतु' भारत का सबसे लंबा पुल है और देश में समुद्र पर बनी सबसे लंबी संरचना भी है। समुद्र पर लगभग 16.5 किलोमीटर और जमीन पर 5.5 किलोमीटर की लंबाई वाला छह लेन का यह पुल मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और आगामी नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (इस वर्ष के अंत में चालू होने की उम्मीद) के बीच तेज संपर्क प्रदान करेगा। इस पुल का निर्माण होने ने मुंबई से पुणे, गोवा और दक्षिण भारत की यात्रा का समय कम हो गया है, साथ ही मुंबई बंदरगाह और जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह के बीच संपर्क में सुधार हुआ है।

यूपी में जैन धर्म के महोत्सव में हादसा, 7 लोगों की मौत

- बागपत में 65 फीट ऊंचाई था मंच, भीड़ बढ़ी तो ढह गईं सीढ़ियां

बागपत (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बागपत में मंगलवार को जैन समुदाय के निर्वाण महोत्सव के दौरान हादसा हो गया। यहां 65 फीट ऊंचे मंच की सीढ़ियां टूट गईं। इससे कई श्रद्धालु एक दूसरे पर गिरते चले गए। भगदड़ जैसे हालात हो गए। हादसे में 7 श्रद्धालुओं की मौत हो गई है। 80 से अधिक घायल हुए हैं। गंभीर घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती किया गया है। स्थानीय लोग खून से लथपथ श्रद्धालुओं को ठेले से अस्पताल पहुंचा रहे हैं। हादसा बागपत शहर से 20 किलोमीटर दूर बड़ौत तहसील में सुबह 7 से 8 बजे के बीच हुआ। महोत्सव में आदिनाथ भगवान को प्रसाद चढ़ाने का कार्यक्रम चल रहा था। 65 फीट ऊंचा लकड़ी का मंच बनाया था। उस पर भगवान की 4-5 फीट ऊंची प्रतिमा रखी थी। श्रद्धालु भगवान तक पहुंचने के लिए मचाननुमा सीढ़ियों से ऊपर चढ़ रहे थे।

इसरो के 100वें मिशन की उल्टी गिनती हो गई शुरू

- जीएसएलवी रॉकेट के जरिए आज होगा प्रक्षेपण

श्रीहरिकोटा (एजेंसी)। इसरो के ऐतिहासिक 100वें मिशन की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। 27.30 घंटे की उल्टी गिनती सोमवार देर रात दो बजकर 53 मिनट पर शुरू हुई। श्रीहरिकोटा के अंतरिक्ष केंद्र से जीएसएलवी रॉकेट के जरिए

नेविगेशन उपग्रह का प्रक्षेपण 29 जनवरी को होगा। अंतरिक्ष एजेंसी से जुड़े सूत्रों ने यह जानकारी दी। यह इसरो के अध्यक्ष वी नारायणन के नेतृत्व में पहला मिशन होगा। उन्होंने 13 जनवरी को पदभार संभाला था। वैसे इसरो के इस मिशन से जो हासिल होगा, उससे आम लोगों को भी कई फायदे होंगे।

5 साल बाद फिर शुरू होगी कैलाश मानसरोवर यात्रा

भारत-चीन के बीच डायरेक्ट फ्लाइट भी शुरू होगी,दोनों देशों में बनी सहमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल गर्मी के मौसम से कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर से शुरू हो जाएगी। इसके साथ ही भारत-चीन के बीच डायरेक्ट फ्लाइट्स सर्विस भी शुरू होगी। हालांकि, अभी इसकी डेट नहीं आई है। यह जानकारी सोमवार को विदेश मंत्रालय ने एक बयान में दी। इसमें बताया गया कि यह 2 बड़े फैसले बीजिंग में भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच दो दिन की बैठक में लिए गए। फ्लाइट सर्विस और यात्रा 2020 से बंद थी कैलाश मानसरोवर यात्रा और दोनों देशों के बीच फ्लाइट सर्विस 2020 से बंद थी। इसकी वजह दोनों के बीच सीमा विवाद के बाद खराब रिश्ते और कोविड की लहर थी। भारत-चीन के बीच जून 2020 में डोकलाम विवाद हुआ था और 2019 मार्च में कोविड की पहली लहर आई थी। डायरेक्ट फ्लाइट सर्विस से शुरू करने के लिए दोनों देशों की टेक्निकल टीमें जल्द बातचीत करेंगी। आपसी सहयोग और समझ को बढ़ाने के लिए मीडिया और थिंक टैंक के बीच बातचीत को बढ़ावा दिया जाएगा। दोनों देशों के बीच रिश्तों की 75वीं वर्षगांठ को संयुक्त रूप से मनाने के लिए साथ मिलकर काम करेंगे। दोनों देशों ने हाइड्रोलॉजिकल डेटा के आदान-प्रदान को फिर से शुरू करने, सीमा पार नदियों पर सहयोग बढ़ाने पर चर्चा करने के लिए भारत-चीन के बीच एक्सपर्ट लेवल मीटिंग होगी। समझौते की नींव कजान में पड़ी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग पिछले साल अक्टूबर में 5 साल बाद कजान में मिले थे।

अमेरिका में इनकम टैक्स खत्म करने की तैयारी !

- राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ले सकते हैं एक और बड़ा फैसला

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक और बड़ा फैसला ले सकते हैं। खबर है कि वह देश में इनकम टैक्स खत्म करने पर जोर दे रहे हैं। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक आदेश नहीं दिया गया है। ट्रंप का कहना है कि आयकर को खत्म करके टैरिफ को बढ़ावा दिया जा सकता है, ताकि हम दूसरे देशों से आय हासिल कर सकें। सोमवार को ट्रंप ने आयकर खत्म करने का प्रस्ताव दिया है, ताकि अमेरिकी नागरिकों की डिस्पोजेबल इनकम को बढ़ाया जा सके। डिस्पोजेबल इनकम मतलब उस आय से है, जो टैक्स और दूसरे सोशल सिक्योरिटी चार्जेस देने के बाद बचती है। अमेरिकी राष्ट्रपति का कहना है कि इस कदम हम उस व्यवस्था को वापस लाएंगे जिसके चलते अमेरिका अमीर हुआ है। उन्होंने इनकम टैक्स खत्म करने के लिए एक बार फिर आयात शुल्कों की बात दोहराई है।

जमानत के 12 साल बाद अहमदाबाद पहुंचा आसाराम

अनुयायियों से न मिलने की शर्त के बावजूद मोटेरा आश्रम में पहुंचे साधक,पुलिस अलर्ट

अहमदाबाद (एजेंसी)। नाबालिग से दुष्कर्म मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा आसाराम सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद जोधपुर जेल से निकलकर गुजरात वापस आ गया है। वह फिलहाल अहमदाबाद के साबरमती स्थित अपने आश्रम में हैं। आसाराम ने 12 साल की लंबी अवधि के बाद अहमदाबाद के आश्रम में प्रवेश किया है। आसाराम को सूरत के अपने आश्रम में महिला अनुयायी से

रेप के मामले में 31 मार्च तक बेल मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने आसाराम को चिकित्सा आधार पर 31 मार्च तक अंतरिम सशर्त जमानत दी है। जोधपुर जेल में सजा काट रहा आसाराम जमानत पर रिहा होने के 10 साल बाद अहमदाबाद के मोटेरा आश्रम में दाखिल हुआ। जमानत की शर्त यह है कि आसाराम अपने अनुयायियों से नहीं मिल सकेंगे। हालांकि, जैसे-जैसे इसके बारे में साधकों को पता चला है, वे आश्रम पहुंचने लगे हैं। पुलिस को भी अलर्ट कर दिया गया तथा आश्रम में स्थिति न बिगड़े, यह सुनिश्चित किया जा रहा है।

सरकार के साथ बैठक से पहले किसान दिखाएंगे अपनी ताकत

खनौरी और शंभू बॉर्डर पर होगी महापंचायत,कर ली तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रदर्शनकारी किसान खनौरी और शंभू बॉर्डर पर एक बार फिर से महापंचायत करने वाले हैं। आंदोलनकारी संघों किसान मजदूर मोर्चा और संयुक्त किसान यूनियन ने क्रमशः 12 और 13 फरवरी को महापंचायत बुलाई है। यूनियनों की ओर से कहा गया कि ये महापंचायतें किसान आंदोलन 2.0 के एक साल पूरा होने के मौके पर होंगी, जो कि बीते वर्ष 13 फरवरी को शुरू हुआ था। इन दोनों विरोध स्थलों पर हजारों किसान महापंचायत में भाग ले सकते हैं। ज्यादा से ज्यादा संख्या में किसान आएं, इसके लिए पंजाब और हरियाणा के गांवों में दोनों महापंचायतों की ओर से जागरुकता बढ़ाई जा रही है। पिछले साल 13 फरवरी से शंभू और खनौरी बॉर्डर पर प्रदर्शनकारी किसान डेरा डाले हुए हैं। वे अपनी फसलों के लिए कानूनी एमएसपी गारंटी सहित अन्य मांगों को लेकर आए हैं। सुरक्षा बलों की ओर से उन्हें दिल्ली तक मार्च करने की इजाजत नहीं दी गई। ऐसे में उन्होंने वहीं पर अपने तंबू गाड़ दिए। मालूम हो कि 14 फरवरी को चंडीगढ़ में केंद्र सरकार के साथ किसानों की अहम बैठक होनी है, जिससे पहले ये महापंचायतें आयोजित की जा रही हैं। किसान नेता काका सिंह कोटड़ा ने कहा कि सरकार के साथ मीटिंग से पहले शक्ति प्रदर्शन होगा।

सुप्रीम कोर्ट से दिल्ली दंगों के आरोपी ताहिर को पैरोल

- पुलिस कस्टडी में रहकर 6 दिन तक कर सकेगा प्रचार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने आम आदमी पार्टी के पूर्व पार्षद और दिल्ली दंगों के आरोपी ताहिर हुसैन को दिल्ली चुनाव प्रचार के लिए 6 दिन की कस्टडी पैरोल दी है। ताहिर इस चुनाव में ओवैसी की पार्टी से मुस्तफाबाद सीट से कैंडीडेट है। ताहिर ने सुप्रीम कोर्ट से कहा, चुनाव में 4 दिन बचे हैं, उसे चुनाव प्रचार के लिए जल्द अंतरिम जमानत दी जाए। दिल्ली में विधानसभा चुनाव के लिए 5 फरवरी को वोटिंग है। 8 फरवरी को रिजल्ट आएंगे। ताहिर को हर दिन पुलिस खर्च के 2 लाख देने होंगे सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, हुसैन को 29 जनवरी से 3 फरवरी तक दिन के समय (जेल मैनुअल के अनुसार 12 घंटे के लिए) चुनाव प्रचार के लिए रिहा किया जाएगा। कोर्ट ने हुसैन को सुरक्षा खर्च के तौर पर हर दिन 2.47 लाख रुपए देने को कहा। इस तरह उसे 6 दिन में 14.82 लाख रुपए देने होंगे।

मुंबई में डीजल-पेट्रोल गाड़ियों पर लगेगा बैन !

- महाराष्ट्र सरकार ने स्टडी के लिए 7 मेंबर्स की कमेटी बनाई, 3 महीने में रिपोर्ट देगी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने बढ़ते प्रदूषण की वजह से मुंबई महानगर पालिका क्षेत्र में डीजल-पेट्रोल गाड़ियों पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी शुरू कर दी है। राज्य सरकार ने इसके लिए 7 सदस्यों की एक कमेटी बनाई है, जो अगले 3 महीने में अपने सुझाव सौंपेगी। 22 जनवरी को जारी आदेश में रिटायर्ड आईएएस अधिकारी सुधीर श्रीवास्तव कमेटी को लीड करेंगे। इसमें ट्रांसपोर्ट कमिश्नर, जॉइंट पुलिस कमिश्नर ट्रैफिक, महानगर गैस लिमिटेड के सीईओ, पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर, सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के अध्यक्ष और जॉइंट ट्रांसपोर्ट कमिश्नर सदस्य होंगे। आदेश के मुताबिक यह कमेटी स्टडी के लिए अलग-अलग एक्सपर्ट्स को भी पैनल में शामिल कर सकेगी। मुंबई महानगर में पड़ोसी ठाणे, रायगढ़ और पालघर जिले के क्षेत्र भी शामिल हैं। 9 जनवरी को एक जनहित याचिका पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने मुंबई शहर में ट्रैफिक और बढ़ते प्रदूषण के कारण क्वालिटी लाइफ पर नकारात्मक प्रभाव को लेकर चिंता जताई थी।

इंदौर के परदेशीपुरा में बदमाशों का उपद्रव

घरों के बाहर खड़े वाहनों में की तोड़फोड़; 3 के खिलाफ नामजद एफआईआर

इंदौर (नप्र)। इंदौर के परदेशीपुरा इलाके में बदमाशों ने ऑटो रिक्शा, बाइक, स्कूटर और अन्य वाहनों में तोड़फोड़ कर दी। सोमवार देर रात लोग आवाज सुनकर बाहर आए तो बदमाश धमकाने लगे। रहवासियों का विरोध देख वे मुक्तिधाम की तरफ भाग गए। बाद में थाने जाकर पीड़ितों ने मामले में केस दर्ज कराया है। परदेशीपुरा पुलिस ने सोनिया बनोधा की शिकायत पर आदि उर्फ कृष्णा बराठ, लड्डू तिवारी और भूरा पर गाड़ियों में तोड़फोड़ करने और धमकाने के मामले में केस दर्ज किया है। पीड़िता के मुताबिक वह निजी कंपनी में जॉब करती है। रात 1 बजे उसे घर के बाहर चिल्लाने की आवाज आई। जिसमें आदि और अन्य साथी ऑटो रिक्शा में पत्थर मारकर कांच फोड़ते दिखे। इसके बाद उन्होंने ऑटो रिक्शा को पलटाने की कोशिश की। यहां से आगे बढ़ने के बाद आरोपियों ने प्रदीप राव की बाइक और नेहा बौरासी की एक्टिवा में भी तोड़फोड़ की। इसके बाद आगे जाकर अन्य वाहनों को गिरा दिया। आरोपी यहां पर लोगों को धमकाते हुए बाद में आने का कहकर चले गए। देर रात डॉयल 100 को सूचना देकर बुलाया गया। बाद में रहवासियों ने थाने जाकर शिकायत की है।

कार सवारों ने पुलिसकर्मी की कॉलर पकड़ी, पीटा

इंदौर (नप्र)। इंदौर में पुलिस चेकिंग के दौरान कार सवारों से ब्रीथ टेस्ट देने को कहा तो वे पुलिसकर्मियों से भिड़ गए। सूबेदार की कॉलर पकड़ ली। एक ने खुद को राष्ट्रीय हिंदू परिषद का प्रदेश अध्यक्ष बताकर गाली-गलौज की। इसका वीडियो कभी सामने आया है। सूबेदार काजिम रिजवी ने वायरलेस सेट के माध्यम से छोटी ग्वालटोली थाने से मदद मांगी। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर कार सवार चार आरोपियों को थाने भेज दिया। ट्रैफिक पुलिसकर्मी अजय सिंह तोमर की शिकायत पर नरेंद्र सिंह बघेल, अनिल, दिनेश कौशल और जुनेय के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा और मारपीट का मामला दर्ज किया गया है।

कार स्पीड में चला रहे थे आरोपी

मामला सोमवार रात मधुमिलन चौराहे का है। ट्रैफिक पुलिसकर्मी अजय सिंह तोमर और सूबेदार काजिम हुसैन रिजवी मधुमिलन क्षेत्र में चेकिंग पॉइंट पर तैनात थे। तेज रफ्तार में एक कार आई। पुलिस ने कार सवारों के शराब पीने की आशंका पर उन्हें रोका। कार में नरेंद्र सिंह बघेल, उसका भाई अनिल और दो अन्य साथी थे। पुलिस ने उन्हें जब सांस जांच (ब्रीथ एनालाइजर) के लिए कहा तो वे अभद्रता करने लगे।

इंदौर में गांधी जयंती पर राष्ट्रीय शांति सम्मेलन

30 जनवरी को आयोजन में दिल्ली से आएंगे गांधीवादी विचारक, छात्रों को मिलेगी विशेष छूट

इंदौर (नप्र)। इंदौर में 30 जनवरी को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर एक विशेष शांति सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। नेशनल पीस मूवमेंट, रोटरी मंडल 3040 और यूनिवर्सल सॉलिडेटरी मूवमेंट के संयुक्त तत्वावधान में होने वाले इस कार्यक्रम में शहर के प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षक और विद्यार्थी शामिल होंगे। आयोजन समिति की अध्यक्ष डॉ. संगीता जैन और सचिव फादर जैकब के अनुसार, सम्मेलन में रोटरी क्लब 3040, रोटरी क्लब ऑफ इंदौर आदर्श, इंदौर मालविका और रोटरी क्लब सोनकच्छ का विशेष सहयोग रहेगा। सुबह 9 बजे से शुरू होकर दोपहर 3 बजे तक चलने वाले इस सम्मेलन में दिल्ली से प्रसिद्ध गांधीवादी विचारक, लेखक डॉ. अरुण त्रिपाठी मुख्य वक्ता होंगे। इसके अलावा, शहर के लेखक चिन्मय मिश्र और रोटेरियन अनीश मालिक भी अपने विचार साझा करेंगे। मीडिया प्रभारी डॉ. नीहार गीते ने बताया कि कार्यक्रम में महात्मा गांधी के विचारों के साथ-साथ समाज में शांति स्थापना पर गहन चर्चा होगी। विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के छात्र भी अपने विचार प्रस्तुत करेंगे।

डॉलर मार्केट में बेहोश होकर गिरी युवती

मोबाइल लेने पहुंची थी, दुकानदारों ने कहा-एसी काम नहीं करने से हुई घबराहट

इंदौर (नप्र)। इंदौर के डॉलर मार्केट में एक युवती बेहोश हो गई। वह अपने दोस्तों के साथ मोबाइल खरीदने पहुंची थी। इसी दौरान बेहोश होकर गिर गई। साथी उसे नजदीक के अस्पताल ले गए। यहां उसे प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दी गई। घटना सोमवार दोपहर जेल रोड के मोबाइल मार्केट डालर की है। यहां पर शॉप नंबर 17 सदुरू कलेक्शन पर एक युवती अपने 2 दोस्तों के साथ मोबाइल लेने पहुंची थी। इस दौरान कुछ देर बाद वह गश खाकर गिर गई। उसे वहां मौजूद दुकानदार ओर साथियों ने उठाया और नजदीक के अस्पताल ले गए। यहां पर युवती का उपचार किया गया। इसके बाद डॉलर मार्केट के दुकानदारों ने ग्रुप पर मैसेज किए कि तलघर के एसी नहीं चलने को लेकर हादसा हुआ है। उन्होंने सफोकेशन होने की बात कही। 2 माह पहले भी सन्नी की दुकान पर इस तरह का हादसा हुआ। उन्होंने मैसेज में ही बताया कि 5 माह से यहां के एसी बंद पड़े हैं। पूरे मार्केट का मेंटेनेंस बीजेपी नेता राजकुमार शर्मा देखते हैं। डॉलर मार्केट में बेसमेंट सहित 4 फ्लोर में मिलाकर करीब 120 दुकानें हैं।

होटल में घुसकर कर्मचारियों को पीटा

सीसीटीवी में कैद हुई घटना, पुलिस ने केस दर्ज कर शुरू की तलाश

इंदौर (नप्र)। इंदौर के तिलक नगर स्थित एक होटल में सोमवार शाम एक व्यक्ति ने दो कर्मचारियों की पिटाई कर दी। इस मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ देर रात केस दर्ज किया है। आरोपी होटल स्टाफ का परिचित है। पुलिस अब मामले में जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक घटना स्कीम नंबर 140 में स्थित होटल नित्या में हुई। यहां विकास गौतम की शिकायत पर पुलिस ने राजकुमार सैनी और उसके बेटे के खिलाफ मारपीट करने का मामला दर्ज किया है। विकास ने बताया कि वह सोमवार देर शाम होटल में बैठा हुआ था। तभी कुलकर्णी भट्टे का रहने वाला राजकुमार अपने बेटे के साथ होटल पहुंचा और उसने अमित का पूछा। जब विकास ने बताया कि अमित काम से बाहर गए हैं, तो राजकुमार ने उसे अपशब्द कहे। इसके बाद राजकुमार सैनी ने यह कहा कि अमित को बता दो कि उसे किराया देना है, क्योंकि वह इस बिल्डिंग का मालिक है। विकास ने जब यह कहा कि होटल का एग्रीमेंट नीतू शेखावत से हुआ है, तो आरोपी और उग्र हो गया और लात-घूंसे से मारपीट शुरू कर दी। होटल के अन्य स्टाफ ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं रुका। अंत में विकास ने अमित सर से संपर्क किया और मामले को लेकर सैनी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी राजकुमार सैनी और उसके बेटे के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अब इस मामले की जांच कर रही है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे की सद्बुद्धि के लिए हवन

कुंभ स्नान बयान पर उग्र विरोध, श्री परशुराम सेना थाने में करेगी शिकायत

इंदौर (नप्र)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के गंगा नदी को लेकर दिए गए बयान का इंदौर में श्री परशुराम सेना द्वारा विरोध किया गया। मंगलवार को रीगल चौराहे पर गांधी प्रतिमा के सामने खड़गे की सद्बुद्धि के लिए हवन किया गया और हवन कुंड में आहुति डाली गई। सेना के पदाधिकारियों ने खड़गे के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराने की बात भी कही।

सदबुद्धि हवन का आयोजन

मंगलवार को श्री परशुराम सेना के पदाधिकारी हवन कुंड और सामग्री लेकर रीगल चौराहे पहुंचे। यहां खड़गे की कथित विवादित टिप्पणियों के खिलाफ हवन किया गया। पदाधिकारियों का आरोप है कि खड़गे ने हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को आहत किया है। सेना के सदस्यों ने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे लगातार हिंदू आस्थाओं के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। उनके बयान से हिंदुओं की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। सेना ने खड़गे को सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है।

कांग्रेस पर तीखे आरोप

श्री परशुराम सेना के प्रदेश अध्यक्ष अनूप शुक्ला ने खड़गे और कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला करते हुए कहा, कांग्रेस की रीति-नीति अब हिंदुओं और सनातन धर्म का अपमान करने तक सीमित हो चुकी है। उन्होंने खड़गे के बयान को हिंदुओं की आस्था के विरुद्ध बताते हुए कहा कि गंगा नदी हिंदू धर्म का प्रतीक है और मां गंगा जीवनदायिनी हैं। उन्होंने सवाल किया कि कांग्रेस के कितने बड़े नेता गंगा में आस्था के रूप में डुबकी लगाते हैं।

कार्यकर्ताओं की मांग- परशुराम सेना ने खड़गे से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की और थाने में उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराने का ऐलान किया। रीगल चौराहे पर हुए हवन में परशुराम सेना नगर अध्यक्ष प्रकाश शर्मा, विधि प्रकोष्ठ के अध्यक्ष एड. नमन दुबे, सत्येंद्र सिंह चौहान, अमित शुक्ला, कपिल पांडे, नितिन त्रिवेदी, सनी शुक्ला, योगेश महाराज सहित सेना के कार्यकर्ता और ब्राह्मण समाज के कई सदस्य शामिल हुए।

इंदौर में भिड़ेंगे देशभर के पहलवान

महापौर केसरी कुश्ती प्रतियोगिता में महिला-पुरुष दंगल, विजेताओं को मिलेंगे लाखों के नगद पुरस्कार

इंदौर (नप्र)। इंदौर में अखिल भारतीय महापौर केसरी कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन 30 जनवरी से 2 फरवरी तक छोटा नेहरू स्टेडियम में किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में महिला और पुरुष पहलवानों के लिए अलग-अलग दंगल होंगे। कुल 51 लाख रुपए की इनामी राशि रखी गई है। पुरुष वर्ग में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर आने वाले पहलवानों को क्रमशः 3 लाख, 2 लाख और 1 लाख रुपए की नगद राशि दी जाएगी। वहीं, महिला वर्ग में प्रथम स्थान पर आने वाली पहलवान को 1 लाख 11 हजार रुपए, द्वितीय स्थान पर 71 हजार रुपए और तृतीय स्थान पर 51 हजार रुपए का इनाम मिलेगा।

महापौर केसरी कुश्ती प्रतियोगिता के अध्यक्ष और सामान्य प्रशासन प्रभारी नंदकिशोर पहाड़िया ने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन महापौर पुष्यमित्र भार्गव और आयुक्त शिवम वर्मा के निर्देशानुसार किया जा रहा है। इसका उद्देश्य शहर की परंपरागत खेल गतिविधियों को बढ़ावा देना है। उन्होंने बताया कि पहलवानों की संख्या को देखते हुए प्रतियोगिता की शुरुआत 30 या 31 जनवरी से की जाएगी। पहले दिन सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक महिला और पुरुष पहलवानों का वजन किया जाएगा। महिला वर्ग में कुश्ती 30 किलो से 60 किलो प्लस (ओपन) और पुरुष वर्ग में 25 किलो से 80 किलो प्लस (ओपन) के अलग-अलग वजन वर्ग में होगी। इस प्रतियोगिता में विजेता पहलवानों को गुर्ज, पट्टे और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

प्रतियोगिता का शुभारंभ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और महापौर पुष्यमित्र भार्गव करेंगे। इस दौरान ओलंपियन अर्जुन अवॉर्डी पप्पू यादव और अर्जुन अवॉर्डी कृपाशंकर पटेल के साथ-साथ शहर के वरिष्ठ पहलवान, जनप्रतिनिधि और पार्षदगण उपस्थित रहेंगे। पहाड़िया ने बताया कि यह प्रतियोगिता चार श्रेणियों में आयोजित की जाएगी, जिसमें मध्यप्रदेश महापौर केसरी, इंदौर महापौर केसरी, महिला महापौर केसरी और पुरुष महापौर केसरी शामिल हैं। इस दौरान शहर के पारंपरिक खेल प्रेमियों को दंगल का आनंद मिलेगा।

इंदौर में दिन में गर्मी जैसा अहसास

जनवरी में पहली बार तापमान सामान्य पर, सुबह-शाम हल्की ठण्ड, आज से बदलेगा मौसम

इंदौर (नप्र)। इंदौर में चार दिनों से मिलेजुले मौसम के बाद दिनभर ठण्ड से राहत रही। इस दौरान तापमान 27.4 (0) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। खास बात यह कि इस जनवरी में यह पहला मौका है जब दिन का तापमान सामान्य पर आया है। रात का तापमान 1 डिग्री बढ़कर 13.2 (+2) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। हालांकि रात में अभी हल्की ठण्ड है।

मौसम का रुख अभी ऐसा है कि सुबह हल्की ठण्डी हवा रहती है और फिर दिन गर्म होने लगता है। फिर देर शाम से हल्की ठण्ड का अहसास शुरू हो जाता है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक बुधवार से मौसम बदलेगा। इस दौरान तापमान में बढ़ोतरी होगी। इसके पूर्व सोमवार को इंदौर में मौसम सुबह से ही साफ था। फिर दिन में 10 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चली। लेकिन तेज धूप होने से ठण्ड नहीं थी बल्कि गर्मी का अहसास होता रहा। रात को हल्की ठण्ड रही। मौसम विभाग के मुताबिक मध्य प्रदेश में जनवरी में चौथी बार मावठा गिरेगा। वेस्टर्न डिस्टरबेंस की वजह से 29 जनवरी को भोपाल, इंदौर-ग्वालियर समेत करीब 15 जिलों में बूंदाबांदी हो सकती है। इस दौरान कहीं भी तेज बारिश होने की संभावना नहीं है। फरवरी की शुरुआत में भी प्रदेश में बारिश होने के आसार है। दरअसल उत्तरी हवाओं की वजह से प्रदेश के कई हिस्सों में पिछले 4 दिनों से तेज ठंड पड़ रही है। इंदौर में इसका मिलाजुला असर रहा। बुधवार से ठंड से और राहत मिल सकती है। इस दौरान दिन-रात के तापमान में 2 से 3 डिग्री की बढ़ोतरी होगी। मौसम विभाग ने 29 जनवरी और 1 फरवरी को दो वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के एक्टिव होने का अनुमान जताया है। इसका असर प्रदेश में भी देखने को मिलेगा। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस की वजह से फरवरी के शुरुआती 4 दिन तक मौसम बदला रहेगा। 1 से 4 फरवरी के बीच पूर्वी और दक्षिणी हिस्से में कहीं-कहीं बारिश हो सकती है।

इंदौर में संस्था सृजन का पतंगोत्सव

तीन साल के बच्चों से लेकर 84 साल के बुजुर्गों ने उड़ाई पतंगें, हजारों लोगों ने लिया हिस्सा

इंदौर (नप्र)। इंदौर में संस्था सृजन द्वारा आयोजित पतंगोत्सव और बसंत पंचमी मिलन समारोह में भारी भीड़ देखने को मिली। एयरपोर्ट रोड स्थित बीएसएफ ग्राउंड पर आयोजित इस कार्यक्रम में तीन किलोमीटर की ऊंचाई तक तिरंगे रंग की पतंगें आसमान में लहराती रहीं। इस महोत्सव में इंदौर सहित देवास, धार, उज्जैन, महू, राउ समेत 12 जिलों के पतंगबाजों ने हिस्सा लिया। संस्था ने प्रतिभागियों को 10,000 पतंगें निःशुल्क वितरित कीं। सुबह 11 बजे से शाम 6:30 बजे तक चले इस आयोजन में श्रेष्ठ पतंगबाजों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार दिए गए।

पतंगों से छाया आसमान- संस्था के अध्यक्ष कमलेश खंडेलवाल के अनुसार यह पतंगोत्सव 22 वर्षों से लगातार आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत में झंडावंदन किया गया और देशभक्ति गीत गाए गए। शाम को रंगारंग आतिशबाजी का भी आयोजन किया गया। महिला संयोजक तनुजा खंडेलवाल के नेतृत्व में 400 सदस्यीय समिति ने पूरे आयोजन की व्यवस्था संभाली।

कार्यक्रम में शहर के प्रमुख साधु-संत, समाजसेवी और राजनैतिक संगठनों के प्रमुख उपस्थित रहे। क्षेत्र के रहवासियों ने परिवार सहित आकर पतंगबाजी का आनंद लिया।

कुंभ छोड़कर घर लौटी मोनालिसा

कहा- मीडिया वाले और लोग मुझे घेर लेते थे, माला नहीं बेच पा रही थी

महेश्वर (नप्र)। प्रयागराज कुंभ में वायरल हुई मध्यप्रदेश की मोनालिसा कुंभ छोड़कर घर लौट आई है। वह खरगोन जिले के महेश्वर की रहने वाली है। उसका कहना है कि सोशल मीडिया पर आने के बाद मीडिया वाले और बहुत सारे लोगों से वह परेशान हो गई थी। उसकी तबीयत भी खराब हो गई। उसने कहा कि मुझे वहां अच्छा लग रहा था, लेकिन मैं माला नहीं बेच पा रही थी। लोग मुझे घेर लेते थे। मोनालिसा 25 जनवरी की रात को महेश्वर लौटी। उसका कहना है कि हमने 35 हजार रुपए उधार लेकर गाड़ी की और वापस आ गए। हालांकि मोनालिसा का ये भी कहना है कि लोगों से बहुत प्यार भी मिला। कुंभ में उसे अच्छा भी लग रहा था। उसका कहना है कि अगर मम्मी-पापा परमिशन देंगे तो वह फिर से कुंभ जाएगी। अभी अपने परिवार के साथ समय बिता रही है। बता दें कि मोनालिसा और उसका परिवार प्रयागराज महाकुंभ में माला बेचने के लिए गया था, लेकिन अपनी आंखों और सादगी को लेकर सोशल मीडिया पर तेजी से चर्चित हो गई। इन दिनों उसके वीडियो काफी देखे जा रहे हैं।

पिता बोले- बेटी बहुत ही ज्यादा परेशान हो गई थी

मोनालिसा के पिता जय सिंह भोंसले ने कहा कि बेटी ज्यादा परेशानी हो रही थी। लोग बहुत प्यार भी कर रहे थे। वहां रहने का इरादा भी था। एक पुलिस अधिकारी ने तो ये तक ऑफर कर दिया था कि तुम्हारे लिए एक चौकी बना दी है, लेकिन लड़की ने कहा- पापा कब तक घर में बैठे रहेंगे। फोटोग्राफर आते रहते हैं। मैंने सोचा लड़की ने रोटी-पानी छोड़ दिया है तो अब घर लेकर चले जाते है। तबीयत भी खराब हो गई थी। यहां डॉक्टर को दिखाया। अब थोड़ा ठीक है।

मोनालिसा बोली- मेरे पास फिल्म का ऑफर नहीं आया

मोनालिसा ने कहा कि मेरे पास फिल्म का कोई ऑफर नहीं आया। मेरे पिताजी के पास किसी का फोन आया था। पिताजी से बात हुई है। उन्होंने कहा था कि आपकी बेटी को हम फिल्म में लेंगे, लेकिन उसके बाद किसी ने संपर्क नहीं किया। मोनालिसा का कहना है कि अगर कोई अच्छा ऑफर मिलता है तो वह इस क्षेत्र में जाने के लिए तैयार है।

सातवीं कक्षा की छात्रा से छेड़छाड़

स्कूल से निकलते समय किया पीछा, पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी

इंदौर (नप्र)। इंदौर के संयोगितागंज इलाके में एक छात्रा के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। जिसमें वह स्कूल से अपने घर जाने के लिए निकली। इसी दौरान आरोपी ने उसके साथ हरकत की। छात्रा घर पहुंची ओर परिवार को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने इस मामले में आरोपी पर केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि इलाके के शासकीय स्कूल में पढ़ने वाली 16 साल की छात्रा की शिकायत पर पुलिस ने अमन निवासी चितावद के खिलाफ छेड़छाड़ को लेकर केस दर्ज किया है। छात्रा ने बताया कि वह सातवीं कक्षा में पढ़ती है, अमन आए दिन उसका पीछा करता है। सोमवार को वह स्कूल से करीब शाम 4 बजे के लगभग छुट्टी होने के बाद पैदल अपने घर जा रही थी। तभी अमन आया ओर रास्ता रोका ओर कहा कि उसे बात करना है। मना करते हुए आगे बढ गई, इसके बाद उसने लगातार पीछा किया। एक जगह रास्ते में हाथ पकड़ा ओर कहा कि बात नहीं करेगी तो ठीक नही रहेगा। इसके बाद छात्रा ने शोर मचा दिया तो वह मौके से भाग गया। शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई की है।

5 साल की बच्ची से रेप, किरायेदार पकड़ाया- लसूड़िया में भी एक 5 साल की बच्ची के साथ रेप का मामला सामने आया है। आरोपी पीड़ित बच्ची के यहां किरायेदार है, जो बच्ची को खिलाने के बहाने उसके साथ गंदी हरकत करता था। आरोपी को पकड़कर पुलिस के सुपुर्द किया गया है। लोगों ने इस दौरान उसकी पिटाई भी कर दी। लसूड़िया पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक 5 साल की बच्ची से रेप के मामले में लोकेश नाम के आरोपी पर केस दर्ज किया है। बच्ची की सोमवार को स्कूल में तबीयत बिगड़ी। इस दौरान टीचर ने परिवार को जानकारी दी। मां के पूछने पर बच्ची ने लोकेश के द्वारा गंदी हरकत करने की बात कही। इसके बाद आसपास के लोगों ने मिलकर लोकेश को पीट दिया ओर पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

संपादकीय

यूसीसी : लक्ष्य पूरा देश

भाजपा शासित उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू कर मोदी सरकार ने यूसीसी को लेकर अपने इरादे साफ कर दिये हैं। यानी उत्तराखंड में इसे प्रायोगिक रूप में लागू किया जा रहा है। यह कानून लागू करने वाला उत्तराखंड देश का पहला राज्य बन गया है। नए कानून पर आने वाली आपत्तियों और अदालती केसों पर होने वाले फैसलों को ध्यान में रखकर आगे की रणनीति सुनिश्चित होगी। मोदी सरकार की मंशा जल्द ही इसे पूरे देश में लागू करने की है। यूं गोवा में यह पुर्तगाली सिविल कोड के रूप में पहले से लागू है, लेकिन उत्तराखंड में जो यूसीसी लागू की गई है, राष्ट्रीय स्तर पर लागू होने वाले यूसीसी का आधारभूत मॉडल होगा। जैसा कि अपेक्षित ही था, अन्य धर्मों खासकर मुसलमान इसे अपने पर्सनल लॉ में दखल के रूप में इसे देख रहे हैं और उन्होंने इसे कोर्ट में चुनौती देने का ऐलान कर दिया है। यह आपत्तियां कोर्ट में कितनी टिकेंगी, यह अभी कहना मुश्किल है, लेकिन इससे यूसीसी को लेकर समूचे देश में नरेटिव जरूर तैयार होगा। 27 जनवरी से पूरे राज्य में इस कानून को लागू करने की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सीएम धामी ने कहा कि हमने 3 साल पहले जनता से किए गए वादे को पूरा किया। यूसीसी किसी धर्म या वर्ग के खिलाफ नहीं है। इसका उद्देश्य सभी को समान अधिकार देना है। उन्होंने कहा कि 27 जनवरी का दिन समान नागरिकता दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इस कानून में कई अहम बदलाव हैं। यूसीसी के बाद मुस्लिम समाज में लागू हलाला, बहुविवाह, तीन तलाक पर पूरी तरह रोक लगेगी। धामी ने कहा कि इस कानून से समाज में एकरूपता आएगी। नए कानून में बेटे और बेटी दोनों को संपत्ति में समान अधिकार मिलेगा। इसके अलावा उस व्यक्ति के माता-पिता को भी संपत्ति में समान अधिकार मिलेगा। पिछले कानून में ये अधिकार केवल मृतक की मां को मिलता था। दूसरे, पति-पत्नी को तलाक तभी मिलेगा, जब दोनों के आधार और कारण एक जैसे होंगे। केवल एक पक्ष के कारण देने पर तलाक नहीं मिल सकेगा। तीसरे, उत्तराखंड में रहने वाले कपल अगर लिव इन में रह रहे हैं तो उन्हें इसका रजिस्ट्रेशन कराना होगा। हालांकि ये सेल्फ डिक्लेरेशन जैसा होगा, लेकिन इस नियम से अनुसूचित जनजाति के लोगों को छूट होगी। चौथे, यदि लिव इन रिलेशनशिप से कोई बच्चा पैदा होता है तो उसकी जिम्मेदारी लिव इन में रहने वाले कपल की होगी। दोनों को उस बच्चे को अपना नाम भी देना होगा। इससे राज्य में हर बच्चे को पहचान मिलेगी। समान नागरिक संहिता का विरोध मुख्य रूप से मुस्लिम समाज की ओर से हो रहा है। जबकि हमारे संविधान निर्माताओं ने देश में यूसीसी लागू करने की बात कही थी, हालांकि इसकी कोई समय सीमा तय नहीं की गई थी। उत्तराखंड सरकार का दावा है कि यह कानून ढाई लाख लोगों से 20 लाख सुझाव के आधार पर बना है। 6 फरवरी 2024 को उत्तराखंड के सीएम पुष्कर धामी ने विधानसभा में यूनिफॉर्म सिविल कोड यानी यूसीसी बिल पेश किया। जहां तक यूसीसी का सवाल है तो यह संविधान सम्मत ही है। भारत जैसे अत्यधिक विविधता भरे देश में फौजदारी की तरह सामाजिक कानून की एकरूपता अच्छी पहल है। लेकिन भाजपा इसका राजनीतिक लाभ भी लेना चाहती है। चूंकि इस कानून का सबसे ज्यादा विरोध मुसलमानों की ओर से होगा, लिहाजा धार्मिक आधार पर ध्रुवीकरण अपने आप ही होगा। तीन तलाक को सरकार पहले ही कानूनन अपराध बना चुकी है। अब हलाला भी जुर्म होगा। इससे बड़ी संख्या में उन मुस्लिम महिलाओं को राहत मिलेगी, जो हलाला जैसी अमानवीय प्रथाओं का शिकार हुई हैं।

नजरिया

रघु ठाकुर

लेखक समाजवादी विचारक हैं।

संगठन चुनाव बनाम दलों में आंतरिक लोकतंत्र की समाप्ति

भाजपा के संगठनात्मक चुनाव पिछले कुछ समय से चल रहे हैं और चुनाव से संबंधित कई समाचार कई प्रकार से समाचार पत्रों में प्रकाशित हो रहे हैं। कुछ दिन पहले भाजपा मंडल अध्यक्षों के चुनाव हुये और यह खबर आई कि जो चुनाव कराने वाले पर्यवेक्षक गये थे उन्होंने ब्लॉक अध्यक्ष की घोषणा कर दी थी, इसका कारण यह बताया गया कि ब्लॉक अध्यक्षों के नामों को लेकर स्थानीय नेताओं, विधायकों, मंत्रियों व अन्य ताकतवर नेताओं में मतभेद था इसलिये इन चुनाव में पर्यवेक्षकों ने ब्लॉक अध्यक्षों की सूची जारी की। अब यही प्रक्रिया जिला अध्यक्षों के चुनाव को लेकर चल रही है, पिछले दिनों से लगभग कई जिला अध्यक्षों के परिणाम घोषित नहीं हो पा रहे हैं। एकमत के नाम पर संगठन पर कब्जा करने और नेताओं को संतुष्ट करने या शांत करने के नाम पर केंद्रीय नेतृत्व द्वारा नाम तय किये जा रहे हैं ताकि केंद्र की मोहर लगने के बाद कोई भी नेता अपने भविष्य के डर से विरोध न कर सकें। वस्तुतरू ये चुनाव नहीं, बल्कि सीधी-सीधी नामजदगी है। आखिर भाजपा के शीर्ष के कर्ताधर्ताओं को चुनाव से भय क्यों लगता है? मुझे स्मरण है कि 1980-90 के दशक तक भाजपा में चुनाव होते थे यह परंपरा थी और जनसंघ के निर्माण से अस्तित्व में थी। संगठन मंत्री संघ के प्रचारकों को बनाया जाता एवं वह नाम संघ के द्वारा दिया जाता था। चूंकि जनसंघ का निर्माण संघ के द्वारा हुआ था अतरू संघ अपना नियंत्रण जनसंघ पर रखता और, इसलिये संगठन मंत्री की नियुक्ति या मनोनयन संघ के इशारे पर होता था और वही संगठन का सर्वेसर्वा होता था। यह परंपरा केंद्र से लेकर राज्यों, जिला और नीचे स्तर तक थी। संगठन मंत्री जो कह देते वह पार्टी के लिये अंतिम निर्णय होता था। यह माना जाता था कि संगठन मंत्री ही संघ के प्रवक्ता है। परंतु ब्लॉक या जिला अध्यक्ष का चयन घोषित रूप से राज्य या केंद्र के द्वारा नहीं होता था। दिखावे को ही सही परंतु लोकतंत्र के नाम पर एक झीना परदा लगा रहता था। पिछले 5 वर्षों में यह परंपरा टूट चुकी है और राज्यों से लेकर केंद्र तक अब चयन के नाम पर नियुक्तियां संघ से ज्यादा सत्ता द्वारा की जा रही हैं। श्री जगत प्रकाश नड्डा जिनका भाजपा के अध्यक्ष के रूप में यह दूसरा कार्यकाल है वे पिछले कार्यकाल में अध्यक्ष चुने गये थे। लोकसभा चुनाव के पहले उनका कार्यकाल समाप्त हो रहा था और भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में अचानक एक प्रस्ताव लाया गया तथा पार्टी के संविधान में संशोधन कर, कार्यकारिणी को उनके दूसरे कार्यकाल के लिये अध्यक्ष के चयन रूपी नामजद अधिकार दे दिये गये। श्री मोदी, शाह की उपस्थिति में सारी भाजपा की कार्यकारिणी और नेताओं की मुखरता मौन में बदल गई। किसी में इसका विरोध करने का साहस नहीं हुआ और सबने चुपचाप श्री नड्डा के दूसरे कार्यकाल पर मोहर लगा दी। यही कारण था कि लोकसभा चुनाव के दौरान श्री नडडा ने सार्वजनिक बयान दिया कि अब भाजपा अपने निर्णय करने को और चुनाव प्रचार आदि के लिये इतनी समर्थ हो चुकी है कि उसे संघ की कोई आवश्यकता नहीं है। संघ भी जो अपने स्थापना के आरंभकाल में यह कहता था कि जनसंघ तो हमारी कमल की नाल है, जब तक बचेगी बचायेंगे वरना खा जायेंगे। परंतु इस बार कमल की नाल न वे बचा पाये न खा पाये। ऐसा लगता है कि उन्होंने यह स्वीकार कर लिया है कि अब उनमें भाजपा नेतृत्व को निर्देश देने की शक्ति नहीं बची है।

दरअसल यह परंपरा पहले कांग्रेस में शुरू हुई थी और उन्होंने चुनाव के नाम पर नामजदगी की परंपरा शुरू की थी। 1970 के बाद जब तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने संगठन को चुनौती देकर अपनी सत्ता का वर्चस्व कायम किया। कांग्रेस की संसदीय बोर्ड की बैठक में अपने तय किये गये राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी श्री नीलम संजीव रेड्डी के खिलाफनिर्दलीय तौर पर श्री वी.वी. गिरि को प्रत्याशी बनवाया और उनका समर्थन किया तथा पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी को हरवाया। तभी से कांग्रेस पार्टी में संगठन की भूमिका सत्ता की पिछलग्गू जैसी बन गयी और संगठन चुनाव मात्र दिखावे के हो गये। यह परंपरा ऊपर से शुरू होकर नीचे तक आ गई तथा यह तरीका शुरू हुआ कि पर्यवेक्षक जाकर निर्वाचित प्रत्याशी के नाम का ऐलान कर देते हैं जो कि ऊपर की सहमति से प्राप्त होता है और सारे कांग्रेस के मेम्बर, पर्यवेक्षक द्वारा की गई घोषणा को चुपचाप स्वीकार कर लेते हैं।

अब पार्टियों में अपवाद छोड़कर यह आम चलन बन गया कि कोई एक व्यक्ति या समूह चुनाव के नाम पर नामजद कर देता है और इस अलोकतांत्रिक निर्णय के नाम पर सारा संगठन लोकतंत्र बताकर उसका अनुसरण करता है। इस प्रक्रिया से धीरे-धीरे इन सभी दलों ने चाहे कांग्रेस-भाजपा, बसपा, सपा, राजद , जदयू या डीएमके, टीडीपी, बीआरएस, शिवसेना जैसे क्षेत्रीय दल हों लगभग सभी में यही नामजदगी चुनाव की परंपरा स्वीकार हो चुकी है।

इस परंपरा का सबसे बुरा प्रभाव यह हुआ कि दलों में आंतरिक लोकतंत्र खत्म हो चुका है और यह एक ऐतिहासिक तथ्य है कि जब दलों में लोकतंत्र खत्म हो जाता है तो एक प्रकार की घोषित या अघोषित तानाशाही कायम हो जाती है। यह संगठनात्मक तानाशाही सत्ता को भी प्रभावित करती है। ऐसे दलों की सत्ता ही अघोषित तानाशाह बन जाती है। आज बसपा में सुश्री मायावती, सपा में श्री अखिलेश यादव, राजद में श्री लालू यादव, जनता दल (यू) में श्री नीतीश कुमार, अकाली दल में श्री सुखवीर सिंह बादल, आप में श्री केजरीवाल, तमिलनाडु में श्री स्टालिन, टीडीपी में श्री नायडू, वाईएसआर कांग्रेस में श्री जगन रेडडी, शिवसेना में श्री उद्धव ठाकरे और कांग्रेस में श्रीमती सोनिया गाँधी तथा उनका परिवार और भाजपा में श्री नरेन्द्र मोदी अघोषित तानाशाह जैसे बन गये हैं। दुखद यह है कि पार्टियां भी, संगठन भी और सरकारें इनके मानसिक रूप से पिछलग्गू बन चुके हैं। यह स्थिति लोकतंत्र के लिये चिंताजनक और दुखद भी है कि आम मतदाता भी ऐसी स्थिति को स्वीकार कर चुका है और वह कभी जाति के आधार पर, कभी धर्म के आधार पर समर्थन करता है। इन जनमत के समर्थन से इन क्षेत्रीय और केंद्रीय दलों को तानाशाही की मान्यता मिल गयी है। अब वे खुलकर तानाशाह जैसा खेल खेल रहे हैं। उन्हें संगठन और सत्ता के भीतर से अब कोई चुनौती नहीं है। देश एक प्रकार से अघोषित तानाशाही या दलीय तानाशाही में फंस चुका है।

चुनाव आयोग का यह वैधानिक दायित्व है कि दलों के स्वीकृत संविधान में चुनाव के प्रारूप में वर्णित प्रक्रिया के अनुसार संगठन के चुनाव सुनिश्चित कराये, परंतु चुनाव आयोग भी अपनी आजादी लगभग खो चुका है और उससे अब कोई उम्मीद करना निरर्थक है। इस दौर में जब संसद और संसदीय बहुमत वाला दल अपनी दलीय राजसत्ता का दास बन चुका हो, राजनैतिक दलों को संगठन अपने सत्ता का दास बना चुके हों, शीर्ष नौकरशाह, चुनाव आयोग जैसे केंद्रीय सत्ता के मानसिक गुलाम बन चुके हों, तब लोकतंत्र को बचाने की उम्मीद केवल जनमत से ही की जा सकती है। शायद कभी तो जनमत जागेगा और देश को बचाने के लिये अपने मत का प्रयोग करेगा। लोकतंत्र की प्रणाली, सत्ता और नौकरशाही की व्यवस्था होती है इच्छित नहीं, परंतु जनता और जनमत के लिये लोकतंत्र सबसे अच्छी व्यवस्था है और यह मुफीद भी है। देखें जनमत कब जगता है?

राजनीति

मनोज कुमार

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

वरना सभी राज्य हिमाचल की राह पर होंगे

इस समय देश के कई राज्यों की सरकार अंगद के पैर की तरह जम गई हैं। एक लंबे समय तक सत्ता में रहने से निरंकुशता आ जाती है, जो दिख रही है। भ्रष्टाचार की परते लगातार खुलती रही है लेकिन इस समय जिस व्यापक स्तर पर भ्रष्टाचार सामने आ रहा है, वह स्तब्ध कर देने वाला है। यह बीमारी किसी एक राज्य या किसी एक व्यक्ति तक नहीं है बल्कि सब शामिल हैं इसमें। कौन कितना किया या कर पाया, व्यक्ति की नैतिकता पर भी निर्भर करता है। नैतिकता की बात भी बेमानी हो गई है। एक शब्द राजनैतिक हुआ था जो आज राजनीति हो गया है। दोनों को गौर से देखेंगे तो राज के साथ नैतिक शब्द था, वह विलोपित हो गया और इसके स्थान पर नीति चलन में आ गया है। कहावत है युद्ध और प्रेम में सब जायज है और जब राज अर्थात सत्ता की बात करते हैं तब नीति, कुनीति को जायज मान लिया गया है। जब सत्ता सिर चढ़ कर बोलता है, तब स्वाभाविक रूप से सब जायज हो जाता है। बहरहाल, देश में वन इलेक्शन, वन नेशन की तैयारी है, तब इस बात पर भी मंथन किया जाना चाहिए कि संविधान के अनुरूप सरकार पांच वर्ष के लिए निर्वाचित होती थी। किन्तु मुफ्त योजनाओं ने सारे पैमाने ध्वस्त करते हुए अंगद के पांव की तरह जमे हुए। ऐसे में भ्रष्टचार की गंगा बह रही है।

एक दौर था जब मतदाता पाँच साल होते ही सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा दिया करते थे, आज वही मतदाता बीस बीस साल के लिए सरकारों की ताजपोशी कर रही है। मतदाताओं को भी जीवन की बुनियादी सुविधाओं से ज़्यादा मुफ़्त का आनंद चाहिए। सत्ता को यह रास्ता आसान लगा और उसके बाद सत्ता ने मुफ़्त की बंटाई शुरू कर दी। जहां तक याद पड़ता है कि मुफ्त चावल बांटने की शुरुवात दक्षिण से हुई थी। छत्तीसगढ़ के तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह को चाउर वाले बाबा के नाम से प्रसिद्धि मिली। फिर मध्य प्रदेश में तत्कालीन शिवराज सिंह सरकार ने मुफ़्त की ऐसी मोहक योजनाओं का श्रीगणेश किया कि उनकी विजय सुनिश्चित होती थी। शिवराज सिंह सरकार के इन योजनाओं को अनेक राज्यों ने जस का तस लागू कर दिया। शिवराज सरकार ने जब लाडली बेटी या किसान कल्याण की योजना शुरू तो उसका स्वागत किया गया। यह जरूरी था। बच्चियों को शिक्षा से वंचित रखा जाता था जो उनके लिए शिक्षा के नए द्वार खोलता है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार बेटियों को स्कूल नहीं भेजा करते थे, अब वह बच्चियां अपने पैरों पर खड़ी हो रहीं हैं। उन्हें गणवेश, पाठ्य पुस्तक, साइकिल देकर बेटियों को मुख्यधारा में लाने का सुंदर कार्य किया। इनमें किसान कल्याण योजना भी एक है। शासकीय सेवकों की जिम्मेदारी तय करने के लिए लोक सेवा गारंटी कानून लाया गया। यह कानून पहली बार बना था। अब कौन शासकीय सेवक, कितना जिम्मेदार है, इसके लिए विशद रूप से समीक्षा की जानी चाहिए। इसके बाद शिवराज सरकार ने मुफ़्त की इतनी योजना आरम्भ की कि वह उनकी सत्ता में वापसी की गारंटी हो गई। इसमें मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन और उनके कार्यकाल की अंतिम लोक लुभावन योजना लाड़ली बहना ने राज्य के बजट का पूरा समीकरण बिगाड़ दिया। अनेक राज्यों को इस योजना सत्ता में वापसी की गारंटी मिल गई। महाराष्ट्र और झारखंड में इसी आधार पर चुनाव जीतने की बात राजनीतिक गलियों में कही सुनी गई।

अब खबर आ रही है कि वर्तमान डॉ. मोहन यादव सरकार लाड़ली बहना की समीक्षा कर उन नामों को हटा रही है जो योजना की शर्तें पूरी नहीं करते हैं। मीडिया इसे लेकर बवाल काट रही है और एक सही फैसले की तरह जाती सरकार को रोक रही है। मीडिया को राज्य के प्रति जिम्मेदार होना चाहिए और समाज को सकारात्मक मैसेज दिया जाना चाहिए। मीडिया की तरह प्रतिपक्ष भी सरकार को बाज़ार से कर्ज लेने पर कटघरे में खड़ी करती है। प्रतिपक्ष सरकार से सवाल करे,उसके कार्यों की समीक्षा करे, यह उसका राज्य के प्रति जिम्मेदारी है और प्रतिपक्ष होने के नाते भी। हिमाचल प्रदेश जिस खस्ताहाल आर्थिक स्थिति में है, उसका खुलासा हो चुका है लेकिन राजनीतिक समीक्षकों के संज्ञान में होगा कि और कितने राज्य हिमाचल के रास्ते पर हैं।

दिल्ली की आप सरकार ने तो मुफ़्त की योजनाओं की बाढ़ लगा दी। इसके बाद आप सरकार के जो कथित तौर पर गोलमाल खुला तो तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल की यात्रा करनी पड़ी। दिल्ली के दंगल में तो जैसे बंटाई का ऐलान हो रहा, वह हैरान कर देने वाला है। कांग्रेस दिल्ली की सत्ता से दूर है लेकिन उसका भी वायदा प्रति माह साढे आठ हज़ार रुपए देने का है। लोकपाल को लेकर देशव्यापी आंदोलन से उपजी आप पार्टी में सब एक दूसरे के कंधे पर सवार होने लगे। इस आंदोलन ने आप को सत्ता की चाबी सौंप दी। इसमें चतुर केजरीवाल ने धीरे धीरे सबको किनारे कर दिया। उनके विश्वस्त सहयोगी एवं कवि कुमार विश्वास को आप का साथ छोड़ना पड़ा। हालांकि कुमार को उम्मीद थी कि उनकी राज्यसभा की टिकट पक्की लेकिन कुछ नहीं मिला। केजरीवाल

इतने घुटे हुए राजनेता हैं कि वे कभी कुमार के सवालों या आरोप का कोई जवाब नहीं दिया। इस समय आप पार्टी की फ्री स्कीम उन्हें सत्ता में वापसी करती है या बाहर का रास्ता दिखाती है। दिल्ली के मतदाता फ्री स्कीम को भूल जाते हैं और अपने विवेक से सरकार चुनते हैं तो इस बात की आश्वस्ति है कि अब समय बदलाव वाला आ गया है।

पश्चिम बंगाल में ज्योति बसु और उड़ीसा में पटनायक सरकार लंबे समय तक सत्ता में रहती हैं तो अपने कार्यों से। उस दौर में तब इस तरह की योजना के बारे में सोचना भी कल्पना से बाहर है। परन्तु आज हालत वो नहीं हैं। आज दलों को सत्ता चाहिए और मतदाताओं को मुफ्त का माल। इस मुफ्तखोरी से ना केवल राज्य की आर्थिक स्थिति छिन्न भिन्न हो रही है बल्कि प्रदेश का नागरिक अब काम नहीं करना चाहते हैं। उन्हें पता है कि जरूरत के लायक सरकार तो दे रही है। इसी के चलते पांच साला सरकार की अवधारणा ध्वस्त हो रही है। इस मुफ्तखोरी में एक बड़ा कारण अशिक्षा के साथ जागरूकता का नहीं होना भी है। अगर समाज नहीं चेता तो कोई हमें हिमाचल बनने से नहीं रोक पाएगा। मुफ्त की जगह रोज़ी रोजगार मांगिए ताकि आने वाली पीढ़ी को आप जवाब दे सकें।

कच्छ नहीं देखा तो कुछ नहीं देखा

यात्रा संस्मरण

विजय जैन

लेखक व्यंग्यकार हैं।

22 जनवरी से 25 जनवरी 2025 तक, यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया-चैप्टर भुज, कच्छ, कांडला और गुजरात राज्य ने भुज और कच्छ, गुजरात का एक असाधारण दौरा आयोजित किया। 'कच्छ नहीं देखा तो कुछ नहीं देखा' नारे की भावना के अनुरूप, यह कार्यक्रम गुजरात की अद्वितीय विरासत, प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक जीवंतता के माध्यम से एक समृद्ध यात्रा थी।

आरामदायक आवास, स्वादिष्ट भोजन, निर्बाध यात्रा और आकर्षक गतिविधियों के साथ सावधानीपूर्वक आयोजित इस दौरे ने प्रतिभागियों को मौज-मस्ती, सीखने और अविस्मरणीय अनुभवों का एक आदर्श मिश्रण प्रदान किया। यह पूरे भारत से नए दोस्तों से जुड़ने का एक शानदार मंच भी था।

यात्रा की शुरुआत भव्य 'स्वामीनारायण मंदिर' की यात्रा से हुई, जो जटिल नक्काशी से सुसज्जित एक वास्तुशिल्प कृति है और आध्यात्मिक शांति प्रदान करती है।

ऐतिहासिक 'प्राग महल,' अपनी गोथिक शैली की वास्तुकला के साथ, भुज की शाही विरासत की एक झलक पेश करता है।

स्मृतिवन - 'भूकंप संग्रहालय' की यात्रा लचीलेपन और पुनर्प्राप्ति का एक मार्मिक स्मारक था। यह आधुनिक चमत्कार भारत में सबसे बड़ा स्मारक और संग्रहालय है, जो 2001 के विनाशकारी भूकंप के पीड़ितों की याद दिलाता है और कच्छ के लोगों के दृढ़ संकल्प, साहस, गिर कर फिर से उठ खड़े होने की अदम्य भावना का स्मरण कराता है।

'वंदे मातरम स्मारक' पर, समूह को भारत के स्वतंत्रता संग्राम की समृद्ध विरासत से साक्षात्कार हुआ, जिसका समापन लुभावने 'वंदे भारत लाइट और लेजर शो' में हुआ, जिसमें भारत की सांस्कृतिक विविधता और उपलब्धियों का जश्न मनाया गया। इस आकर्षक प्रस्तुति ने भारतीय राज्यों के इतिहास और संस्कृतियों को उजागर किया, जिससे उपस्थित दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए।

दूसरा दिन प्रकृति प्रेमियों के लिए बहुत ही आनंददायक रहा। हरे-भरे वातावरण से घिरा शांत कड़िया धो झरना एक शांत विश्राम स्थल और एक बेहतरीन फोटो खिंचवाने का अवसर प्रदान करता है।

इसके बाद, समूह ने 'छारी ढांध वेटलैंड पक्षी अभयारण्य' का दौरा किया, जो पक्षी प्रेमियों और वन्यजीव प्रेमियों के लिए एक छिपा हुआ रत्न है।

यह पारिस्थितिक आश्चर्य, फ्लेमिंगो और क्रेन सहित अनगिनत प्रवासी पक्षियों का घर है, जो प्रकृति प्रेमियों के लिए एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करता है।

तीसरे दिन की शुरुआत आकर्षक 'चुंबकीय क्षेत्र' की यात्रा से हुई, जहाँ वाहन सड़क के एक विशेष हिस्से पर गुरुत्वाकर्षण का विरोध करते हुए दिखाई देते हैं, जिससे हर कोई आश्चर्यचकित रह जाता है। यहां हमने वाहनों को अपने आप चढ़ाई पर अपने आप चलते हुए देखा।

यात्रा कच्छ के सबसे ऊँचे स्थान *कालो डूंगर (ब्लैक हिल) तक जारी रही, जहाँ से ग्रेट रण और उसके आसपास के रेगिस्तानी परिदृश्य के लुभावने मनोरम दृश्य दिखाई देते हैं। दिन का मुख्य आकर्षण 'कच्छ का रण' था, जहाँ विशाल नमक दलदल सूरज की रोशनी में चमक रहे थे, जो एक अलौकिक अनुभव प्रदान कर रहे थे। यह मौसमी नमक रेगिस्तान, जो कभी अरब सागर का उथला हिस्सा था, एक प्राकृतिक आश्चर्य में बदल गया है जो हर आगंतुक को आकर्षित करता है। अंतिम दिन समूह ने सुंदर 'रोडटू हेवन' पर कदम रखा, जो खावड़ा को धोलावीरा से जोड़ने वाला एक सुरम्य 30 किलोमीटर का मार्ग है, जो गुजरात के लुभावने परिदृश्यों के माध्यम से एक अविस्मरणीय यात्रा प्रदान करता है। यह रोड आधुनिक भारत की उपलब्धि की अद्भुत मिसाल हैं।

हड़प्पा सभ्यता के सबसे बड़े स्थलों में से एक, 'धोलावीरा' में, हमने प्राचीन शहर की उन्नत शहरी नियोजन और जल प्रबंधन प्रणालियों को देखा और उस समय की इतनी उन्नत तकनीकी क्षमता को देख कर गर्व का अनुभव हुआ। पास में, 'भंजरो डूंगर' (सर्दियों में सफेद नमक और मानसून में पानी से घिरी एक पहाड़ी) ने एक शांत और मंत्रमुग्ध कर देने वाला दृश्य को आंखों से देर तक निहारा। दिन का समापन 'जीवाश्म पार्क' की यात्रा के साथ हुआ, जहाँ जीवाश्म अवशेषों ने प्रागैतिहासिक युग और क्षेत्र के भूवैज्ञानिक इतिहास की एक आकर्षक झलक पेश की।

यह यात्रा केवल एक दौरा नहीं थी बल्कि गुजरात की सुंदरता, संस्कृति और भावना का एक अविस्मरणीय उत्सव था। सच में, अगर आपने 'कच्छ नहीं देखा है, तो आपने कुछ भी नहीं देखा है!'

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) -विनोद तिवारी
कार्यकारी प्रधान संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

लेखक व्यंग्यकार हैं।

जल्दी तो मैंने कभी फाइलें नहीं निपटाईं

शहर का नाम था दफ्तरपुर। यह शहर अपने सरकारी दफ्तरों की सुस्ती और पेंडिंग फाइलों के अम्बार के लिए प्रसिद्ध था। दफ्तरपुर के केंद्रीय कार्यालय में कार्यरत थे श्री पुरुषोत्तम बाबू, जिन्हें सहकर्मी प्यार से 'पेंडिंग महाराज' कहते थे।

पुरुषोत्तम बाबू का जीवन एक अजीब संघर्ष था। वे सुबह चाय की सुड़कियों के साथ फाइलों को देख कर गहरी सांस भरते और सोचते, 'आज ये फाइल खत्म कर दूँगा।' लेकिन जैसे ही दफ्तर पहुँचते, उनकी सारी योजनाएँ 'कल के लिए' स्थगित हो जातीं।

दफ्तर में उनका छोटा-सा कक्ष था, जिसमें फाइलों का ढेर उनकी कुर्सी से ऊँचा था। हर सुबह वे एक नई फाइल पर हस्ताक्षर करने का प्रण लेते, लेकिन चपरासी रामलाल आकर तुरंत उनका ध्यान भटका देता, 'साहब, चाय ले आऊँ या समोसे भी चाहिए?'

फिर साहब सोचते, 'समोसे खाकर ताकत मिलेगी, ताकत से फाइलें जल्द निपटेंगी।' और इसी विचार के साथ सुबह का समय बीत जाता।

लंच के बाद का समय दफ्तरपुर के दफ्तरों में विशेष रूप से 'आराम काल' माना जाता था। साहब के लिए यह समय 'गहन चिंतन और फाइलों पर भविष्यवाणी' का होता। वे फाइलों को देखते और कहते, 'यह फाइल तो अगले हफ्ते ही खत्म होगी।'

एक दिन की बात है। मुख्य सचिवालय से आदेश आया कि 'दफ्तरपुर का हर लंबित मामला सात दिन के भीतर निपटाया जाए।' यह सुनते ही दफ्तरपुर में खलबली मच गई। पुरुषोत्तम बाबू के चेहरे पर चिंता की गहरी रेखाएँ उभर आईं।

चपरासी रामलाल ने साहब से पूछा, 'साहब, अब क्या करेंगे?' साहब बोले, 'पहले चाय पियेंगे। बड़ी समस्याओं का हल चाय के बिना नहीं निकलता।'

रामलाल चाय ले आया। चाय की चुस्की लेते हुए साहब ने निर्णय लिया, 'आज से फाइलों पर रात-दिन काम होगा।' लेकिन अगले ही पल उनके सामने कुर्सी की चटकती आवाज़ आई। उनकी कुर्सी, जो वर्षों से उनके वजन और सुस्ती का बोझ झेल रही थी, अचानक टूट गई।

'यह तो अशुभ संकेत है!' साहब बोले।

रामलाल ने तुरंत नई कुर्सी लाने का वादा किया, लेकिन साहब बोले, 'नई कुर्सी पर बैठने से पुराने काम कैसे पूरे होंगे?'

फिर भी, साहब ने टूटे हुए फर्नीचर को नजरअंदाज कर एक फाइल खोली। यह फाइल 'गाँव के तालाब के पुनर्निर्माण' की थी। यह फाइल पिछले पाँच साल से उनकी मेज पर थी। साहब ने सोचा, 'तालाब के पानी को सूखने में पाँच साल लगे, फाइल का सूखना तो स्वाभाविक है।'

जब साहब ने फाइल पर हस्ताक्षर करने का प्रयास किया, तो उन्हें पता चला कि उनकी पेन में स्याही खत्म हो गई है। रामलाल को पेन लाने भेजा गया। लेकिन रामलाल ने पेन के बदले समोसे लाकर दे दिए। साहब ने सोचा, 'चलो, पहले समोसे खा लें, फिर काम करेंगे।'

इस प्रकार सात दिन बीत गए, लेकिन फाइलें जस की तस रहीं। मुख्य सचिवालय से फोन आया, 'क्या फाइलें खत्म हुईं?' साहब बोले, 'जी, बस अंतिम चरण में हैं।'

मुख्य सचिवालय के अधिकारियों ने तंग आकर निरीक्षण करने का निर्णय लिया। जब वे दफ्तर पहुँचे, तो पुरुषोत्तम बाबू अपनी टूटी हुई कुर्सी पर झूलते हुए आराम से चाय पी रहे थे।

मुख्य अधिकारी ने पूछा, 'यह फाइलें इतनी देर से क्यों पड़ी हैं?' साहब बोले, 'सर, फाइलों में भी जीवन होता है। इन्हें समय चाहिए परिपक्व होने के लिए। हड़बड़ी में निर्णय लेना अनुचित है।'

मुख्य अधिकारी यह सुनकर भौचक्के रह गए। उन्होंने तुरंत आदेश दिया कि दफ्तरपुर का सारा काम निजी एजेंसी को सौंपा जाए। पुरुषोत्तम बाबू को दफ्तर से सेवानिवृत्त कर दिया गया। उनके लिए यह सबसे बड़ा झटका था। उन्होंने अपनी कुर्सी को देखकर कहा, 'तूने मेरा साथ नहीं दिया। अब ये फाइलें कैसे निपटेंगी?'

सेवानिवृत्ति के बाद, पुरुषोत्तम बाबू ने एक चाय की दुकान खोली। दुकान का नाम रखा, 'पेंडिंग टी स्टॉल।' वहाँ वे ग्राहकों को चाय के साथ 'अधूरी कहानियाँ' सुनाते।

आज भी, जब कोई ग्राहक उनकी दुकान पर जाता है और कहता है, 'साहब, जल्दी से एक कप चाय देना,' तो वे मुस्कराते हुए जवाब देते हैं, 'जल्दी तो मैंने कभी फाइलें नहीं निपटाईं, चाय क्या खाक निपटाऊँगा!'

मौनी अमावस्या पर विशेष

योगेश कुमार गोयल
लेखक पत्रकार हैं।

मौन ही है सभी साधनाओं का आधार

हिन्दू पंचांग के अनुसार माघ मास के शुक्ल पक्ष की अमावस्या यानी 'मौनी अमावस्या' इस वर्ष 29 जनवरी को मनाई जा रही है। हिन्दू पंचांग के मुताबिक मौनी अमावस्या की तिथि की शुरुआत 28 जनवरी को रात 7 बजकर 35 मिनट पर होगी और इसका समापन 29 जनवरी को शाम 6 बजकर 5 मिनट पर होगा। मौनी अमावस्या के शुभ अवसर पर गंगा स्नान का तो विशेष महत्व है। इस बार मौनी अमावस्या के दिन महाकुंभ का दूसरा अमृत स्नान है। मान्यता है कि इस दिन देवी-देवता पवित्र संगम में निवास करते हैं। ऐसे में गंगा का जल अमृत के समान माना जाता है। मौनी अमावस्या के दिन गंगा अथवा संगम में स्नान से तन-मन निर्मल होने के साथ निरोग काया के साथ पापों का क्षय होता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सूर्य जिस दिन चंद्रमा के साथ मकर राशि में विराजमान होते हैं, उसी दिन को मौनी अमावस्या कहा जाता है। मान्यता है कि माघ मास में जब सूर्य मकर राशि में होता है, तब तीर्थपति प्रयागराज में देवता, ऋषि, किन्नर और अन्य देवगण तीनों नदियों के संगम में स्नान करते हैं।

माघ मास को हिन्दू धर्म में बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। शास्त्रों के अनुसार माघ मास में पवित्र स्नान एवं दान करने से व्यक्ति को पुण्य के समान फल की प्राप्ति होती है। वैसे तो इस मास में आने वाले सभी व्रत और त्यौहारों का काफी महत्व है लेकिन इस माह की अमावस्या का तो विशेष महत्व माना गया है। स्कंद पुराण में अमावस्या तिथि को पर्व कहा गया है और शास्त्रों के अनुसार माघ मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि का तो बड़ा महत्व है। इस अमावस्या तिथि को 'मौनी अमावस्या' के नाम से भी जाना जाता है। हिन्दू पंचांग के अनुसार माघ मास के शुक्ल पक्ष की अमावस्या यानी 'मौनी अमावस्या' इस वर्ष 29 जनवरी को मनाई जा रही है। हिन्दू पंचांग के मुताबिक मौनी अमावस्या की तिथि की शुरुआत 28 जनवरी को रात 7 बजकर 35 मिनट पर होगी और इसका समापन 29 जनवरी को शाम 6 बजकर 5 मिनट पर होगा। मौनी अमावस्या के शुभ अवसर पर गंगा स्नान का तो विशेष महत्व है। इस बार मौनी अमावस्या के दिन महाकुंभ का दूसरा अमृत स्नान है। मान्यता है कि इस दिन देवी-देवता पवित्र संगम में निवास करते हैं। ऐसे में गंगा का जल अमृत के समान माना जाता है। मौनी अमावस्या के दिन गंगा अथवा संगम में स्नान से तन-मन निर्मल होने के साथ निरोग काया के साथ पापों का क्षय होता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सूर्य जिस दिन चंद्रमा के साथ मकर राशि में विराजमान होते हैं, उसी दिन को मौनी अमावस्या कहा जाता है। मान्यता है कि माघ मास में जब सूर्य मकर राशि में होता है, तब तीर्थपति प्रयागराज में देवता, ऋषि, किन्नर और अन्य देवगण तीनों नदियों के संगम में स्नान करते हैं। स्कंद पुराण में कहा गया है कि इस दिन भगवान सूर्य की उपासना और तर्पण आदि करने से व्यक्ति को पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है और इस दिन पवित्र नदियों में स्नान

करने, व्रत, तर्पण और दान आदि करने से असंभव कार्य भी पूरे हो जाते हैं। इस बारे में महापुराण में कहा गया है कि इस दिन गंगा नदी में पवित्र स्नान करने के पश्चात् व्यक्ति को तिल तथा गुड़ से तर्पण आदि करना चाहिए क्योंकि ऐसा करने से व्यक्ति पुण्य का भोगी होता है और सभी पापों से मुक्त हो जाता है। विभिन्न पुराणों के अनुसार इस दिन सभी पवित्र नदियों और पतित पावनी मां गंगा का जल अमृत के समान हो जाता है, इसीलिए इस दिन गंगा स्नान करने से अश्वमेघ यज्ञ करने के समान फल मिलता है। मौनी अमावस्या के दिन मौन धारण कर गंगा-यमुना-सरस्वती की त्रिवेणी में स्नान करने को तो सर्वोत्तम माना गया है। माघ मास के शुक्ल पक्ष की अमावस्या को 'मौनी अमावस्या' कहे जाने के पीछे एक मान्यता यह है कि मनु ऋषि का जन्म इसी पावन तिथि पर हुआ था और मनु शब्द से ही इस अमावस्या को 'मौनी अमावस्या' कहा जाने लगा। एक अन्य मान्यता के अनुसार इस दिन मौन रहकर ईश्वर की साधना की जाती है, इसलिए इसे मौनी अमावस्या कहा जाता है। मौनी अमावस्या को माघी अमावस्या भी कहा जाता है। माना जाता है कि मौनी अमावस्या के दिन मौन व्रत धारण कर ईश्वर का स्मरण करने से मुनि पद की प्राप्ति होती है और प्राणी की आध्यात्मिक ऊर्जा का स्तर बढ़ता है। मौन का अध्यात्म के शिखर को छूने में अहम योगदान होता है, इसीलिए मौन का अध्यात्म जगत में सदैव महत्वपूर्ण स्थान रहा है।

दरअसल मौन को भारतीय संस्कृति में आध्यात्मिक शिखर तक पहुंचने का सबसे सटीक और शाश्वत माध्यम माना गया है। इसीलिए हमारे साधु-संतों और ऋषि-मुनियों ने सदैव इसे अपनी आध्यात्मिक साधना का महत्वपूर्ण अंग बनाया। आचार्य चाणक्य से लेकर गौतम बुद्ध और महर्षि दयानंद सरस्वती तक सभी महापुरूषों का जीवन मौन का पर्याय ही था। गोस्वामी तुलसीदास ने तो मौन को ही सभी साधनाओं का आधार माना है। आध्यात्मिक, मानसिक और शारीरिक शुद्धि के लिए मौन रहना सबसे उत्तम माना गया है।

धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों को करने के लिए मौनी अमावस्या की तिथि बहुत उत्तम मानी जाती है। मौनी अमावस्या के दिन मौन एवं संयम की साधना, स्वर्ग एवं मोक्ष देने वाली मानी गई है। पद्म पुराण में कहा गया है कि मौनी अमावस्या के दिन मौन रहकर किए गए जप-तप और दान से भगवान विष्णु बहुत प्रसन्न होते हैं और इससे विशेष धर्म लाभ प्राप्त होता है। हालांकि मौन रहने का वास्तविक अर्थ बाहरी दुनिया से दूर रहकर ईश्वर का स्मरण करते हुए अपने अंतर्मन में झांकना, आत्ममंथन करना, अपने अंदर की अशुद्धियों को दूर करना और मन को शुद्ध करना ही है, मौन का अर्थ यह कदापि नहीं होता कि आपने मुंह से तो बोलना बंद कर दिया यानी मौन व्रत धारण कर लिया लेकिन आपका मन विचलित है और बुरे विचारों या बुराईयों से भरा पड़ा है। हमारे भीतर की नकारात्मकता तभी दूर होगी और हमारे अंदर आध्यात्मिकता का विकास भी तभी होगा, जब हम मौन रहकर अपने मन को एकाग्रचित्त करते हुए सच्चे मन से ईश्वर का स्मरण करेंगे। कहा गया है कि यदि किसी व्यक्ति के लिए मौन रखना संभव न हो तो वह अपने विचारों को शुद्ध रखे और मन में किसी प्रकार की कुटिलता का भाव नहीं आने दे।

एक गुणी शिक्षाविद् सर्जक का चले जाना

स्मृति शेष: यतीश कानूनगो

ब्रजेश कानूनगो
(शिष्य और भतीजा)

अनेक श्रेष्ठ प्रतिभाएं अपने संकोच के कारण चर्चा में नहीं आ पातीं। ऐसे कर्मठ और लगनशील लोग अपने कार्यों को चुपचाप अंजाम देते रहते हैं। प्रचार के वे अभिलाषी नहीं होते और उनका छोटा सा पर्यावरण क्षेत्र ही उनकी सीमा बनकर रह जाती है। खासतौर से मध्यभारत के मालवा क्षेत्र के सर्जक, साहित्यकार, कलाकार अपने इस संकोची मालवी स्वभाव के चलते खुद को पीछे रख लेते हैं। अन्यों और अपने कनिष्ठों और शिष्यों को समृद्ध करते हुए उनका प्रोत्साहन ही उनका ध्येय बन जाता है।

देवास (मध्यप्रदेश) के श्री यतीश कानूनगो एक ऐसे ही मालवी व्यक्ति थे जो हाल ही में लगभग 86 वर्षों का संतुष्ट जीवन पूरा कर पंचतत्व में विलीन हो गए। उन्होंने इस वर्ष गणतंत्र दिवस की शाम देह त्याग दी।

मेरे लिए वे मेरे काका से अधिक मेरे गुरु ही बने रहे ,चाहे वह जीवन में अनुशासन की बात हो या साहित्यिक, सांस्कृतिक संस्कारों की, जो कुछ मैं आज हूं उसके होने में मेरे जीनियस काका साहब का बहुत कुछ योगदान रहा। माता पिता के साथ साथ यतीश जी न सिर्फ मेरे पालक रहे बल्कि वे मेरे श्रेष्ठतम गुरु भी रहे। उनके सानिध्य में साहित्य, कला और संस्कृति के बीज मेरे भीतर अंकुरित हुए। वे न सिर्फ विज्ञान गणित के शिक्षक थे बल्कि वे एक अच्छे चित्रकार और लेखक,कार्टूनिस्ट, शिल्पकार के रूप में भी जाने गए। वे पांच विषयों में स्नातकोत्तर थे। जिनमें समाज शास्त्र, राजनीति विज्ञान और भौतिक शास्त्र गणित जैसे विषय भी रहे। वे छात्रों ही नहीं शिक्षकों के भी गुरु रहे। हिंदी विषय भी वे बहुत अच्छे से पढ़ाया करते थे। उन्होंने एल एल बी और एम एड की उपाधियों को भी खूब मेहनत से अर्जित किया था। शिक्षा में कई नवाचार उन्होंने किए और गणित और विज्ञान की कई पुस्तकें भी लिखीं।

न सिर्फ हमारे परिवार की अगली पीढ़ी के अधिकांश सदस्यों ने उनकी प्रेरणा से गणित में उच्च शिक्षा प्राप्त की बल्कि देवास जिले में शिक्षण के साथ नई पौध को संस्कारित और दिशा देने में उनका काम सदैव याद रखा जाएगा। उनके अनेक शिष्य देश विदेश में अपना कैरियर बनाने में सफल हुए हैं। स्व. प्रभु जोशी, स्व.जीवन सिंह ठाकुर, डॉ प्रकाशकांत जैसे कई रचनाकारों ने उनके चरणों में बैठकर अपनी शिक्षा ग्रहण की है।

बहुमुखी प्रतिभा के धनी शिक्षाविद, विज्ञान के शिक्षक ,पाठ्यपुस्तकों के लेखक, शिक्षा में नवाचार के प्रवर्तक, साहित्यकार, चित्रकार, मूर्तिकार श्री यतीश कानूनगो अब हमारी स्मृतियों का हिस्सा हैं। उनकी यह कमी देवास के शिक्षा और कला,संस्कृति जगत के लिए हमेशा अपूरणीय रहेगी। सादर नमन।

राजनीति

डॉ. रमेश ठाकुर
सदस्य, राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान भारत सरकार

दिल्ली चुनाव में महिला वोटरों की उदासीनता

पांच फरवरी को होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव के कूदे कुल 699 उम्मीदवारों में 96 महिला कैंडिडेट भी हैं। पर, वैसा उत्साह नहीं दिखता, जितना पिछले चुनावों में दिखा था। जबकि, प्रमुख दल आम आदमी पार्टी, भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस तीनों महिला वोटरों को रिझाने में मुफत के वादों की झड़ी लगाए हुए हैं। कोई 2100 रूपए देने का वादा कर रहा है तो 2500 और 3000 तक भी? फ्री बस सेवा सभी के एजेंडों में हैं। अब, सवाल यहां ये उठता है, इतने लुभावने वादों के बाद भी महिला वोटरों में उत्साह क्यों नहीं है? इस डरावनी तस्वीर से न सिर्फ सफेदपोश परेशान हैं, बल्कि चुनाव आयोग भी चिंतित है। चुनावी समर में लगातार तेजी से गिरता वोटिंग प्रतिशत चुनावी प्रक्रिया के अलावा लोकतंत्र के लिए भी घातक है। जबकि, बीते 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में महिलाओं का वोटिंग स्कोर पुरुषों के मुकाबले अधिक था।

अरविंद केजरीवाल ने अपने चुनावी घोषणापत्र में एक बार फिर फ्रीबीज की झड़ी लगाई है। कितने सफल होंगे ये तो आने वाला समय ही तय करेगा। पर, अब इतना जरूर है, लोग फ्री की सौगातों से ऊबने लगे है। श्रमबल को तरजीह देने वाली आधी आबादी, भी अब मुफ्त की चुनावी रेबड़ियों पर ध्यान नहीं देगी। इसी कारण जारी दिल्ली विधानसभा चुनाव के प्रचार-प्रसार में महिला वोटरों की उदासीनता बड़े पैमाने पर दिखने लगी है। पांच फरवरी को होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव के कूदे कुल 699 उम्मीदवारों में 96 महिला कैंडिडेट भी हैं। पर, वैसा उत्साह नहीं दिखता, जितना पिछले चुनावों में दिखा था। जबकि, प्रमुख दल आम आदमी पार्टी, भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस तीनों महिला वोटरों को रिझाने में मुफ्त के वादों की झड़ी लगाए हुए हैं। कोई 2100 रूपए देने का वादा कर रहा है तो 2500 और 3000 तक भी? फ्री बस सेवा सभी के एजेंडों में हैं। अब, सवाल यहां ये उठता है, इतनेलुभावने वादों के बाद भी महिला वोटरों में उत्साह क्यों नहीं है? इस डरावनी तस्वीर से न सिर्फ सफेदपोश परेशान हैं, बल्कि चुनाव आयोग भी चिंतित है। चुनावी समर में लगातार तेजी से गिरता वोटिग प्रतिशत चुनावी प्रक्रिया के अलावा लोकतंत्र के लिए भी घातक है। जबकि, बीते 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में महिलाओं का वोटिंग स्कोर पुरुषों के मुकाबले अधिक था।

शायद, महिलाएं भी अब समझ चुकी हैं कि फ्री के नाम पर राजनीतिक दल उन्हें वोट बैंक के तौर पर इस्तेमाल करने लगे हैं? महिलाएं बुनियादी मुद्दों की गंभीरताओं को अच्छे से समझती हैं। राज्य तरक्की करे उसमें उनकी भागीदारी हो, को ध्यान में रखकर ज्यादातर महिलाएं मुफ्त की रेवड़ियां से तौबा करना शुरू कर दिया है। इस संबंध में एक ताजा और बेहतरीन उदाहरण सामने है। पिछले विधानसभा चुनाव में बिहार में जब नीतीश कुमार ने शराब बंदी का ऐलान करके चुनाव लड़ा, तो महिलाओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया और उन्हें सत्ता पर

बैठा दिया। देश और सामाजिक उद्धार वाले मुद्दों के प्रति महिलाएं कितनी सजग हैं, इससे खूबशूरत उदाहरण दूसरा कोई नहीं हो सकता। केंद्रीय स्तर पर जब से आत्मनिर्भरता की अलख चहुंओर जगी है। तब, से महिलाएं भी श्रमबल को ज्यादा तवज्जो देनी लगी हैं। ये अच्छी बात है, इससे राजनीतिक दल अपनी हरकतों से बाज आएंगे। शायद यही कारण है दिल्ली में महिलाओं की चुनाव के प्रति उदासीनता है। क्योंकि, सभी दल मुद्दों-समस्याओं को छोड़कर फ्री की सेल लगाकर बैठे हैं। ऐसे दलों का पुरजोर विरोध होना ही चाहिए। विरोध से ही सरकारें टैक्सपेयर्स का पैसा बर्बाद करने से पीछे हटेंगी।

महिलाओं की उदासीनता के बूते ही दिल्ली चुनाव इस बार नई तस्वीर पेश करेगा। मौजूदा सरकार की शराब पॉलिसी को लेकर महिलाएं खासी नाराज हैं। सरकार की नई शराब नीति में 'एक पर एक फ्री बोतल' पॉलिसी ने कईयों के घर बर्बाद कर दिए। जो नहीं पीता था, वो भी फ्री के चक्कर में पीने लगा। मौजूदा सरकार अगर सत्ता से बेदखल होती है, तो शराब ऑफर उसका मुख्य कारण होगा। वैसे, कम होती वोटिंग विधा की तल्ख सच्चाई से चुनाव और सियासी दल अच्छे से वाकिफ हैं। लेकिन उस हकीकत को दोनों कभी उजागर नहीं करना चाहेंगे। हकीकत ये है, चुनावों में अगर ग्रामीण, मध्यमवर्ग और महिलाएं हिस्सा न लें? तो वोटिंग प्रतिशत और धरातल में घुस जाए। वोटिंग से शिक्षित वर्ग, वर्किंग लोग लगातार दूरियां बनाने लगे हैं। मतदान के दिन वह छुट्टियां मनाते हैं, बा-मुश्किल ही घरों से उस दिन बाहर निकलते हैं।

दिल्ली में इस बार जितने नए वोटर जुड़ें हैं उनमें पुरूषों के मुकाबले महिलाएं मतदाता काफी पीछे हैं। ये स्थिति तब है, जब दिल्ली की सत्ता पर काबिज होने की कोशिश कर रहे तीनों प्रमुख दलों के घोषणाओं में महिलाओं से जुड़ी योजनाओं की मूसलाधार भरमारें हैं। आप, भाजपा व कांग्रेस तीनों दल आधी आबादी को अपने पाले में करने की भरसक कोशिशें में हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी अंतिम मतदाता सूची पर अगर गौर करें, तो पुरुष मतदाताओं से महिलाओं की संख्या काफी कम है। इस बार दिल्ली में कुल 1,55,24,858 मतदाता अपने मतों का 5 फरवरी को इस्तेमाल करेंगे जिनमें पुरुषों की संख्या 85,49,645 और महिलाओं की संख्या 71,73,952 है। बीच में अंतर अच्छा खासा है।

हालांकि, दिल्ली चुनाव आयोग ने मदतान बढ़ाने को लेकर एक नायाब तरीका अपनाया है। उन्होंने दिल्ली के तकरीबन स्कूलों को आदेशित किया है कि वह छात्रों के जरिए उनके माता-पिता व अन्य परिवारजनों से वोटिंग करने को लेकर लिखित में संकल्पित करवाएं। इसके लिए बाकायदा छात्रों से एक संकल्प पत्र दिया गया हैं जिस पर उनके अभिभावक वोट देने की कसम को लिखित हस्ताक्षर के साथ स्कूलों में जमा करवा रहे है। हैरत यही है कि नौबत ऐसी आ गई कि वोटिंग बढ़ाने के लिए सरकारी सिस्टम ने स्कूलों और छात्र-छात्रों का सहारा लेना शुरू कर दिया है।

बहरहाल, दिल्ली चुनाव में दो धड़े ऐसे हैं जो सियासी दलों की इस बार नैया पार लगा सकते हैं। अव्वल, महिला वोटर और दूसरे पूर्वांचल से वास्ता रखने वाले लोग दिल्ली में प्रत्येक 10 वोटरों में तीसरा वोटर पूर्वांचली है। अगर इन दोनों की उदासनीता चुनाव पर हावी रही, तो वोटिंग प्रतिशत और नीचे गिर जाएगा। पिछले दिनों कुछ राज्यों में विधानसभा सीटों पर उप-चुनाव हुए जिनमें दिल्ली से सटी गाजियाबाद सीट पर मात्र 33 फीसदी ही मतदान हुआ, जिसे देखकर आयोग के ही नहीं, नेताओं के कान खड़े हो गए। जबकि, गाजियाबाद सीट पर महिला वोटरों की संख्या बहुत अच्छी है। सवाल यहां एक ये भी उठने लगा है कि क्या महिलाएं भी मुफ्त रेवड़ियां से परहेज करने लगी हैं। अगर ऐसा है तो सुखद तस्वीर कही जाएगी। निश्चित रूप से देश की शिक्षित महिलाएं अब अपने श्रमबल को तरजीह देने लगी हैं। उन्हें देखकर ग्रामीण आबादी भी सजग हुई है। वोटिंग प्रक्रियाओं में महिलाओं की चुप्पी क्या कहती है, उसे समझना चुनाव आयोग और राजनेताओं को अब आवश्यक हो गया है।

विद्या भारती के भड़ूस विद्यालय में मनाया गणतंत्र दिवस

बैतूल। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर भड़ूस में गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय संयोजक व टिंबर सॉ मिल काष्ट विनिर्माता संघ के जिलाध्यक्ष राजा साहू द्वारा ध्वजारोहण किया गया। जिसके पश्चात ध्वज को सलामी दी गई। राष्ट्रगान के बाद मुख्य अतिथि राजा साहू द्वारा उपस्थित बच्चों को गणतंत्र दिवस का महत्व बताया गया। इस अवसर पर विद्यालय के बच्चों ने रंगारंग देशभक्ति से ओतप्रोत और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।

पुलिस ने 24 घंटे के भीतर किया चोरी का खुलासा

बैतूल। कोतवाली पुलिस ने बिजली के सामान की चोरी के प्रकरण में दो महिलाओं को गिरफ्तार कर, चोरी गए सामान को बरामद कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी नवीन पिता दशरथ पवार निवासी सोनाहिल कॉलोनी, चक्कर रोड, बैतूल ने थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी दुकान बैतूल पावर सॉल्यूशन इटरसी रोड सदर बैतूल में है, जिसमें बिजली के

सामान की बिक्री होती है। दुकान का सामान करीब आधा एकड़ क्षेत्र में फैला रहता है और दुकान के चारों ओर बाउंड्री फेंसिंग लगी हुई है। 25 जनवरी की शाम करीब 4 बजे उसने दुकान के आसपास घूमकर देखा तो लोहे के बॉक्स की एंगलें कम दिखाई दीं। इसके बाद उसने दुकान के सीसीटीवी कैमरों की जांच की, जिसमें दो अज्ञात महिलाएं दिनांक 19 जनवरी से 24 जनवरी तक प्रतिदिन रात्रि 3 बजे से 5 बजे के बीच आकर लोहे की एंगलें उठाकर दूसरी बाउंड्री में फेंकते हुए चोरी करती नजर आईं। रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में धारा 303(2), 3(5) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। चोरी की घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम का गठन किया गया और अज्ञात आरोपियों की पहचान एवं चोरी गए सामान की बरामदगी के लिए तत्काल कार्रवाई की गई। पुलिस टीम ने जांच के दौरान संदेह के आधार पर पंचफुला धुर्वे और ज्योति धुर्वे को हिरासत में लिया। पूछताछ में दोनों महिलाओं ने चोरी की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। जिनके पास से पुलिस ने 106 नग लोहे के एंगल जिसकी कुल कीमती 31,800 है, बरामद किये। आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया।

कोतवाली पुलिस ने नाबालिग बालिका के अपहरण और दुष्कर्म के आरोपी को किया गिरफ्तार

बैतूल। पुलिस ने नाबालिग बालिका के अपहरण और दुष्कर्म के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। 20 जनवरी को थाना कोतवाली बैतूल में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी 15 वर्षीय नाबालिग बालिका को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर भगाकर ले गया है। शिकायत के आधार पर थाना कोतवाली में धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध

कर विवेचना प्रारंभ की गई। प्रकरण में अपहृता और अज्ञात आरोपी की तलाश के लिए पुलिस टीम द्वारा लगातार प्रयास किए गए। जांच के दौरान सूचना प्राप्त हुई कि अपहृता गोरखपुर, उत्तर प्रदेश में है। इस सूचना पर पुलिस टीम को गोरखपुर रवाना किया गया। 27 जनवरी को पुलिस टीम ने अपहृता को गोरखपुर से दस्तयाब किया। अपहृता के बयान न्यायालय में दर्ज कराए गए, जिनमें उसने आरोपी द्वारा अपहरण और दुष्कर्म किए जाने की बात कही। अपहृता के बयान के आधार पर प्रकरण में धारा 64(2)(एम), 65(1) बीएनएस और 5 /6, 3/4 पॉक्सो एक्ट का इजाफा किया गया। प्रकरण के आरोपी राहुल पिता राजेश मिश्रा निवासी चौकी सोनाघाटी थाना कोतवाली बैतूल को ब्रिज के पास पारधीढाना सोनाघाटी से विधिवत गिरफ्तार किया गया। आरोपी को मंगलवार न्यायालय में पेश किया गया।

प्राण प्रतिष्ठा व पंच कुंडीय महायज्ञ आज से

बैतूल। मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम व पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ प्रज्ञा पुराण पांच दिवसीय ग्राम पचधार में आज बुधवार से प्रारंभ होगा। जिसमें नवनिर्मित गायत्री मंदिर में शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में गायत्री माता, शिवलिंग की मूर्ति स्थापना एवं पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ के साथ संगीतमय प्रज्ञापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें शांतिकुज से आए परिजनों के मुखारविंद से प्रज्ञा पुराण प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक की जाएगी। ग्रामीण रामकिशोर झपाटे, यादोराव बनखेड़े व जुगरू झपाटे ने बताया कि पांच दिवस में अखंड जाप, कलश यात्रा, प्रज्ञा पुराण, विराट महादीप यज्ञ, देव आव्हान यज्ञ पूजन एवं संस्कार, संगीतमय प्रवचन, मूर्ति स्थापना, पूर्णाहुति के साथ अंतिम दिन भंडारे के साथ कार्यक्रम संपन्न होगा। आयोजकों ने सभी से उपस्थित होने का आग्रह किया है।

पवित्र नगरी मुलताई में शराब बंदी के फैसले से पूरे जिले में हर्ष, ताप्ती लोक निर्माण की संभावनाएं भी बढ़ीं

संजय द्विवेदी/ असलम अहमद

बैतूल/मुलताई। मां ताप्ती की उद्गम पवित्र स्थली मुलताई में अब पूर्णतः शराबबंदी होगी। यँहा उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों कैबिनेट की बैठक में प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा प्रदेश के 17 धार्मिक एवं पवित्र स्थलों में शराबबंदी की घोषणा की थी, जिसमें बैतूल जिले का ताप्ती उद्गम स्थल मुलताई भी शामिल है। इस फैसले के बाद संपूर्ण जिले सहित मुलताई में हर्ष का माहौल है। नगरवासी भी लंबे समय से मुलताई नगरीय क्षेत्र में पवित्र नगरी के नियमों का कड़ाई से पालन हो एवं शराब व्यापार पर प्रतिबंध लगाए जाने की मांग करते आ रहे थे। मां ताप्ती की पवित्र नगरी मुलताई मे शराबबंदी की घोषणा के बाद समस्त भाजपा कार्यकर्ताओं ने ताप्ती परिक्रमा गेट पर पहुंचकर मिठाई खिलाकर एवं पटाखे फोड़कर अपनी खुशी का इजहार किया और मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। शराबबंदी की घोषणा को लेकर, इसलिए भी क्षेत्रवासी में उत्साह का माहौल है, क्योंकि मुख्यमंत्री के इस आदेश के बाद अब माना जा रहा है कि मोहन सरकार धार्मिक नगरों के विकास को लेकर गंभीर है, अब शीघ्र पवित्र नगरी के विकास की राह आगे बढेगी और इसके साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री के ताप्ती लोक की घोषणाओं पर भी शीघ्र अमल प्रारंभ होगा। ताप्ती कॉरिडोर, ताप्ती लोक की घोषणा को लगभग 5 वर्ष पूरे होने को जा रहे हैं, किंतु अभी तक क्रियान्वयन होना तो दूर, ताप्ती लोक की कार्य योजना तक नहीं बन पाई है, जिसको लेकर लोगों में निराशा थी, किंतु अब मुख्यमंत्री की शराबबंदी की घोषणा के बाद यह माना जा रहा है कि मोहन यादव धार्मिक स्थलों के विकास को लेकर गंभीर है और शीघ्र ही ताप्ती लोक की परिकल्पना साकार हो पाएगी।

ताप्ती लोक का निर्माण होगा शीघ्र : डीडी उईके- केंद्रीय मंत्री एवं बैतूल लोकसभा के भाजपा सांसद दुर्गादास डीडी उईके ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा है कि मोहन यादव सरकार ने हमारे आस्था की प्रतीक धार्मिक नगरी मुलताई में शराबबंदी का जो निर्णय लिया है, हम उसका स्वागत करते हैं। इस फैसले से क्षेत्र में शराबबंदी से युवा वर्ग को भी सही दिशा मिलेगी तथा अपराधों में कमी आएगी। अब ताप्ती लोक का निर्माण भी जल्दी ही पूरा होगा। हमारे संवेदनशील मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जहां-जहां भी हमारे धार्मिक आस्था के केंद्र स्थान है, वहां के विकास के लिए उनकी सरकार कृत संकल्पित हैं और मैं बताना चाहूंगा कि हम केंद्र सरकार की और से जो भी इसमें सहयोग होगा, वह अधिक से अधिक करने का प्रयत्न करेंगे।

शराबबंदी से बनी रहेगी पवित्र नगरी की पवित्रता : राजा पवार- भाजपा जिला पंचायत अध्यक्ष राजा पवार ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव ने प्रदेश के 17 धार्मिक तीर्थ स्थलों में शराबबंदी का जो फैसला लिया है, वह ऐतिहासिक फैसला है भाजपा हमेशा ही धार्मिक क्षेत्र के विकास में अग्रणी रही है। मां ताप्ती उद्गम स्थली मुलताई को पवित्र नगरी का दर्जा भी भाजपा सरकार ने ही दिया था। शराबबंदी से पवित्र नगरी की पवित्रता बनी रहेगी।

ताप्ती भक्तों को मिला सम्मान : नपाध्यक्ष वर्षा गढेकर- मुलताई नगर की प्रथम नागरिक नपाध्यक्ष वर्षा गढेकर ने उक्त मामले में अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि संपूर्ण मुलताई नगर वासियों की ओर से मैं मुख्यमंत्री मोहन यादव जी का हृदय से धन्यवाद देती हूं, जिन्होंने मां ताप्ती की पवित्र नगरी मुलताई में शराबबंदी का निर्णय लिया है। इस निर्णय से सिर्फ नगरवासियों का ही नहीं, बल्कि मुलताई से गुजरात तक मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात जहां-जहां से होकर मां ताप्ती की जलधारा अविरल बहती है, इसके तट पर रहने वाले सभी भक्तों को सम्मान दिया है। मुख्यमंत्री का यह फैसला तीन प्रदेशों की जीवन रेखा कहलाने वाली मां ताप्ती के भक्तों का सम्मान है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव का ऐतिहासिक फैसला: हेमंत विजयराव देशमुख- मध्यप्रदेश रोजगार निर्माण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष हेमंत विजयराव देशमुख ने शराबबंदी के निर्णय को प्रदेश के मुखिया मोहन यादव का ऐतिहासिक फैसला बताते हुए इसे स्वागत योग्य माना है। उन्होंने कहा कि मां ताप्ती संपूर्ण बैतूल जिले की पहचान है। मुख्यमंत्री ने पवित्र नगरी मुलताई में शराबबंदी कर बैतूल जिले का मान और गौरव बढ़ाया है। भाजपा सरकार ने पहले भी मुलताई को पवित्र नगरी का दर्जा दिया था और अब इस क्षेत्र में शराबबंदी का निर्णय लिया गया है। शराबबंदी होने से पवित्र नगरी मुलताई में धार्मिक वातावरण का निर्माण होगा। मुलताई को प्रदेश के 17 शराबबंदी शहरों में शामिल कर मुख्यमंत्री ने यह संदेश भी दिया है कि वह धार्मिक क्षेत्र के विकास को लेकर गंभीर है, हम मुख्यमंत्री के इस फैसले का स्वागत करते हैं।

शराबबंदी के नियम का कड़ाई से हो पालन : अंजलि शिवहरे- नगरपालिका मुलताई की महिला कांग्रेस पार्षद अंजलि सुमित शिवहरे ने शराबबंदी के फैसले को उचित बताते हुए कहा है कि फैसला सराहनी है किंतु शराबबंदी के नियमों का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। अगर शराबबंदी के बावजूद नगर में अवैध शराब व्यापार होता रहा, तो इस फैसले का औचित्य समाप्त हो जाएगा।

नगर पालिका बैठक में हंगामा, कांग्रेस पार्षदों ने किया बहिष्कार

13 प्रस्ताव को मिली मंजूरी ,जलकर एवं संपत्ति कर में होगी वृद्धि

बैतूल/मुलताई। मुलताई नगर पालिका की परिषद बैठक में आज जमकर हंगामा हुआ। बैठक कांग्रेस पार्षदों ने परिषद सभा भवन के भीतर और बाहर विरोध प्रदर्शन किया, इसके उपरांत परिषद बैठक बहिष्कार पत्र मुख्य नगर पालिका अधिकारी ओपी भदौरिया को सौंप कर चले गए। हंगामे के बावजूद नगर पालिका अध्यक्ष वर्षा गडेकर की अध्यक्षता में आयोजित बैठक के एजेंडे में रखे गए सभी 13 प्रस्तावो को पारित कर दिया गया। जलकर एवं संपत्ति कर में वृद्धि के प्रस्ताव को भी चर्चा के उपरांत मंजूरी दे दी गई किंतु भाजपा पार्षदों का कहना था की जलकर में वृद्धि की जा रही है तो नगर वासियों को समान रूप से फिल्टर शुद्ध पेयजल उपलब्ध होना चाहिए और पेयजल वितरण की समय अवधि भी घटाई जानी चाहिए। कांग्रेस पार्षदों ने पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष नीतू परमार के नेतृत्व में नगर पालिका परिसर में हाथ में विरोध पट्टीकाए लेकर नारेबाजी की, इसके बाद मुख्य नगर पालिका अधिकारी को अपना विरोध पत्र सौपा। सौंपे गए विरोध पत्र में कहा गया है कि उक्त परिषद बैठक की सूचना नियम अनुसार 7 दिन पहले देनी थी इसके बजाय 24 घंटे पहले दी गई। इसके साथ ही कांग्रेस पार्षदों ने अपने वार्ड के कामों को प्रस्ताव में शामिल करने के लिए जो पत्र दिए थे उसे प्रस्ताव में शामिल नहीं किया गया। इसलिए उक्त बैठक को रद्द कर इस बैठक के सभी मुद्दे आगामी परिषद बैठक में रखे जाएं। ताप्ती वार्ड की पार्षद निर्मला उबनारे ने नगर पालिका के बड़े बाबू भागचंद पर अभद्र व्यवहार का आरोप लगाया और उक्त बाबू को हटाए जाने की मांग की विरोध प्रदर्शन करने वालों में पूर्ण नगर पालिका अध्यक्ष नीतू प्रसाद परमार ,अंजलि सुमित शिवहरे, न.पा. उपाध्यक्ष शिवकुमार माहोरे, साजिदा शेख जाकिर, वंदना नितेश साहू शामिल है।

परिषद बैठक में सभी प्रस्ताव को मिली मंजूरी- विरोध प्रदर्शन के बावजूद परिषद की बैठक में रखे गए सभी प्रस्ताव पारित किए गए । आज लिए गए प्रस्ताव के अनुसार अब ताप्ती तट पर स्थित हरि ओम बाबा मठ की भूमि का उपयोग एवं नामकरण नगर पालिका को दान की गई शर्तों का पालन करने का निर्णय लिया गया है। इसके अलावा जलकर में वृद्धि की गई है पूर्व में जहां नागरिकों को रू. 60 जलकर देना पड़ता था अब रू. 90 प्रति माह देना होगा और इसके अलावा व्यावसायिक जल उपभोक्ताओं को रू. 150 देने होंगे, संपत्ति कर में रू. 170 के स्थान पर रू. 20 एवं 22 के स्थान पर रू. 25 किए गए हैं नई दर 1 अप्रैल से लागू होगी।

बस स्टैंड दुकानों के किराए में वृद्धि के संबंध में नगर पालिका अध्यक्ष वर्षा गाडेकर एवं अन्य पार्षदों ने कहा कि बस स्टैंड के कुछ दुकानदार किराया अनुबंध का उल्लंघन कर रहे हैं और उन्होंने दुकान किराए से दे रखी है ऐसी दुकानों को चिन्हित कर उनसे डबल किराया वसूला जाए और नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यापारियों की दुकानें निरस्त की जाए। गर्ल्स स्कूल के पास पुराने जनपद की भूमि को नगर पालिका के उपयोग के लिए मांगे जाने का प्रस्ताव भी प्रस्ताव लिया गया नगर पालिका अध्यक्ष वर्षा गडेकर ने उक्त भूमि के संबंध में बताया कि अभी यह तय नहीं है कि उक्त भूमि का उपयोग दैनिक बाजार के लिए होगा या नहीं नगर पालिका के अधीनस्थ होने पर उक्त भूमि का अनेक प्रकार से उपयोग किया जा सकता है।

गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम में फूहड़ गानों पर शिक्षकों का डांस हुआ वायरल

सरकारी स्कूल में शिक्षकों ने तोड़ी मर्यादा, शिक्षा देने वाले शिक्षक खुद अनुशासन भूले, ग्रामीणों में रोष

बैतूल। गणतंत्र दिवस पर शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल, हिवरखेड़ में हुए कार्यक्रम में शिक्षक अपनी मर्यादा भूलकर बच्चों के सामने अशोभनीय व्यवहार करते नजर आए। 26 जनवरी के इस कार्यक्रम में स्कूल के वरिष्ठ शिक्षक काले और अन्य शिक्षक विद्यार्थियों के सामने एक शिक्षिका के साथ फूहड़ गानों पर डांस करते दिखाई दिए। इस घटना के वीडियो सोशल मीडिया

पर तेजी से वायरल हो गए हैं, जिसके बाद ग्रामीणों में आक्रोश देखने को मिल रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि ऐसे शिक्षक जो बच्चों को शिक्षा और अनुशासन का पाठ पढ़ाने के लिए जिम्मेदार हैं, वे खुद अनुशासनहीनता का प्रदर्शन कर रहे हैं। यह शर्मनाक है, बच्चों पर इसका गलत प्रभाव भी पड़ सकता है। ग्रामीणों ने इस घटना पर शिक्षा विभाग से सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि जो शिक्षक खुद मर्यादा का पालन नहीं कर सकते, वे बच्चों को क्या अनुशासन सिखाएंगे। घटना विकासखंड प्रभात पट्टन के अंतर्गत शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल हिवरखेड की है। ग्रामीणों ने शिक्षा विभाग से मांग की है कि संबंधित शिक्षकों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

इनका कहना है -

मेरे पास भी यह शिकायत आई है, बीईओ को जांच के निर्देश दिए जा रहे हैं। जांच के बाद यदि गलती सामने आती है तो कार्यवाही की जाएगी।
- अनिल कुशवाहा, जिला शिक्षा अधिकारी बैतूल

एक साल से फरार गौवंश तस्करी के आरोपियों को किया गिरफ्तार

बैतूल। कोतवाली पुलिस ने गौवंश तस्करी के एक प्रकरण में करीब एक साल से फरार दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस जनसंपर्क अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार 13 फरवरी 2024 को रात्रि गश्त के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि चिखलार रानीपुर रोड पर एक महिंद्रा पिकअप वाहन (क्रमांक एमएच 04 जीएफ 9588) में मवेशियों को भरकर जंगल की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। चिखलार रोड पर एक संदिग्ध पिकअप वाहन को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन वाहन चालक और उसका साथी अंधेरे का लाभ उठाकर जंगल की ओर भागने में सफल हो गए। पिकअप वाहन की तलाशी के दौरान पीछे सब्जी रखने वाले कैरेट हटाने पर 12 गायें और 3 बछड़े मिले, जो रस्सियों से बंधे हुए थे। उनके

मुंह और पैर भी बंधे हुए थे, और वे भूखे-प्यासे हालत में आपस में सटे हुए थे। कुछ मवेशियों के मुंह से झाग भी निकल रहा था। मौके पर मवेशियों को सुरक्षित बचाया गया और वाहन जब्त कर धारा 4, 6, 9 म.प्र. गोवंश वध प्रतिषेध अधिनियम तथा धारा 11 (1) घ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। इस घटना के बाद से अज्ञात आरोपियों की लगातार तलाश की जा रही थी। 28 जनवरी को सूचना मिली थी कि इस प्रकरण में संलिप्त आरोपी बैतूल में देखे गए हैं। सूचना पर तत्काल पुलिस ने मुखबिर द्वारा बताए स्थान पर इरशाद खान पिता युसूफ खान (27 वर्ष), निवासी हैदरपुर, अमरावती, थाना कोल्हापुरी गेट, महाराष्ट्र और सारिक पिता मंसूर खान (28 वर्ष), निवासी कालिम नगर, अमरावती, महाराष्ट्र, नजर आए, जिन्हें पूछताछ के लिए कोतवाली पुलिस थाना लाया गया। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने उक्त अपराध में संलिप्तता स्वीकार की। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी रविकांत डेहरिया, सउनि अरुण यादव, आरक्षक महेश नगदे, और आरक्षक उज्जवल दुबे की सराहनीय भूमिका रही।

महाकुंभ मेला 2025

आज गाड़ी संख्या 01667 रानी कमलापति से पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन के लिए कुम्भ स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है

भोपाल। भोपाल रेल मंडल द्वारा कुम्भ जाने वाले श्रद्धालुओं एवं यात्रीभार क्लियर करने हेतु आज दिनांक 28.01.2025 को रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से दोपहर 14.00 बजे प्लेटफार्म नम्बर 02 से गाड़ी संख्या 01667 कुंभ मेला स्पेशल ट्रैन (अनारक्षित) चलाई जा रही हैं। यह ट्रेन भोपाल, सांची, विदिशा, गुलाबगंज, गंजबासौदा,मंडी बामोरा, बीना होते हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन पंहुचेगी। इसमें 14 शयनयान श्रेणी , 08 सामान्य श्रेणी सहित कुल 24 कोच रहेंगे।

भगवान की प्राण प्रतिष्ठा एवं श्रीमद् भागवत कथा में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल । उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल बेलवा बड़गैयन ग्राम में नवनिर्मित बूढ़ी माता मंदिर परिसर में देवताओं की प्राण प्रतिष्ठा एवं श्रीमद भागवत कथा में शामिल हुए। श्री शुक्ल ने धार्मिक अनुष्ठान में हवन पूजन किया तथा भगवान के दर्शन कर प्रदेश की सुख समृद्धि की कामना की। उन्होंने भण्डारे में प्रसाद भी ग्रहण किया। श्री शुक्ल ने भव्य मंदिर निर्माण के लिये फणीन्द्र शुक्ल व उनके परिजनों को साधुवाद देते हुए शुभकामनाएँ प्रेषित की।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने रीवा के मगरदहा घाट का किया निरीक्षण

घाट का सौन्दर्यीकरण कराने के दिये निर्देश

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने अपने भ्रमण के दौरान भटलो ग्राम में मगरदहा घाट का निरीक्षण किया। उन्होंने घाट को साफ-सुथरा कराकर इसके सौन्दर्यीकरण किये जाने के निर्देश दिये।

उल्लेखनीय है कि महात्मा गांधी नेशनल रूरल इम्पायमेंट गारंटी एक्ट के तहत विधायकनिधि, डीएमएफ तथा मनरेगा के सहयोग से वर्ष 2022 में घाट का निर्माण किया गया था। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की जल संरचनाओं को संरक्षित व संबंधित किये जाने की जरूरत है। इस घाट में पर्याप्त जल की उपलब्धता रहती है इसे साफ सुथरा कर इसके सौन्दर्यीकरण किये जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि ग्रामवासी भी परिसम्पत्तियों को अपना माने तथा शासन प्रशासन के साथ सहयोग की भावना रखकर ग्रामीण विकास के कार्यों में अपनी भागीदारी निभायें और अपने जिले व प्रदेश को उन्नति के शिखर तक ले जाने में सहयोगी बनें।

अपर कलेक्टर श्री श्रीवास्तव ने जनसुनवाई में सुनीं नागरिकों की समस्याएं

बैतूल। अपर कलेक्टर राजीव नंदन श्रीवास्तव ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याएं सुनी। अपर कलेक्टर श्री श्रीवास्तव ने अधिकारियों को जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का तत्काल गंभीरता पूर्वक निराकरण किए जाने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में कुल 115 आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई में आमला तहसील के ग्राम लिखड़ी निवासी नरेंद्र खैरमारे ने बैंक द्वारा स्वीकृत लोन नहीं दिए जाने की शिकायत की। प्राप्त आवेदन पर अपर कलेक्टर श्री राजीव नंदन श्रीवास्तव ने एलडीएम को प्रकरण की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए। बैतूल के विकास

नगर कालापाठा निवासी अनिल कुमार हाके ने नगर पालिका परिषद बैतूल बाजार से असेसमेंट की नकल निकलवाए जाने संबंधी आवेदन दिया, जिस पर अपर कलेक्टर ने सीएमओ को तत्काल प्रकरण का निराकरण किए जाने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में आठनेर जनपद पंचायत के ग्राम खोपरा निवासी कुंडलिक झरबड़े ने रोजगार गारंटी योजना में लापरवाही तथा भ्रष्टाचार की जांच करने संबंधी आवेदन दिया। प्राप्त आवेदन पर अपर कलेक्टर श्री श्रीवास्तव ने जनपद पंचायत आठनेर के सीईओ को प्रकरण की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में भैंसदेही तहसील के खामला निवासी जानकी राम ने सड़क़ निर्माण में अधिग्रहित भूमि का मुआवजा दिलाये जाने की मांग की। जिस पर अपर कलेक्टर ने मध्य प्रदेश राज्य सड़क़ विकास निगम के सहायक प्रबंधक को नियमानुसार कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए।

जनसम्पर्क विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी

नरसिंहपुर। गणतंत्र दिवस की संध्या पर 26 जनवरी को लोकतंत्र का लोकोत्सव भारत पर्व का आयोजन पीजी कॉलेज नरसिंहपुर में हुआ। जिला जनसम्पर्क कार्यालय नरसिंहपुर में द्वारा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं हमारा संविधान- हमारा स्वाभिमान कार्यक्रम अंतर्गत भारत के संविधान तथा हमारे संविधान निर्माताओं के विषय में जानकारी के लिए चित्र प्रदर्शनी लगाई गई। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति नीलेश काकोड़िया, कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले, श्री रामसनेही पाठक, एसडीएम श्री मणिन्द्र कुमार सिंह, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती संध्या कोठारी, श्री सुनील कोठारी, अन्य जनप्रतिनिधियों, अधिकारी- कर्मचारी, नागरिकों व छात्र-छात्राओं ने अवलोकन किया। सहायक संचालक जिला जनसम्पर्क कार्यालय नरसिंहपुर श्री राहुल वासनिक ने प्रदर्शनी के बारे में बताया। यहां राज्य शासन की श्री अन्न (मिलेट्स) उत्पादन को प्रोत्साहित, नगरीय विकास के बड़े परिवर्तन, हुकुमचंद मिल के श्रमिक बंधुओं की वर्षों बाद पूरी हुई आस, औद्योगिक विकास के अभूतपूर्व प्रयास, पर्यटन बना मध्यप्रदेश की नई पहचान, स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए संवेदनशील पहल, जननायकों के नाम पर विश्वविद्यालय का शुभारंभ, किसान कल्याण का पूरा हो रहा प्रण, समृद्ध हो रही विरासत, गौसंरक्षण व संवर्धन, बेहतर सुशासन के बड़े कदम, बढ़ता निवेश- बढ़ता मध्यप्रदेश, सशक्त बन रही मध्यप्रदेश की नारी, उद्योगों के लिए नई राह, रोजगार के अवसरों का निर्माण, स्कूल शिक्षा को सुदृढ़ता, साइबर तहसील से आसान हुए काम, स्टार्ट- अप्स को प्रोत्साहन, आधुनिक चिकित्सा सेवाओं की गारंटी मेडिसिटी, स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए संवेदनशील पहल, शिक्षित होती आगे बढ़ती बेटियां, निवेश और रोजगार के बढ़ते अवसर, जनजातीय विरासत को सम्मान, कमजोर वर्ग को हर संभव मदद, गुणात्मक और समावेशी शिक्षा का लक्ष्य, लोक निर्माण से लोक कल्याण, स्वास्थ्य क्षेत्र में रोजगार के अवसर आदि से संबंधित योजनाओं व कार्यक्रमों और गतिविधियों की प्रदर्शनी लगाई गई।

रीवा में विकास के साथ ही शांति व सौहार्द्र का वातावरण निर्मित हुआ है : राजेन्द्र शुक्ल

शहीद रामानंद सिंह की पुण्य तिथि पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि रीवा में विकास के साथ ही शांति व सौहार्द का वातावरण निर्मित हुआ है। लोग अब विकास की बातें करते हैं तथा अपने जनप्रतिनिधियों से निःसंकोच विकास कार्यों की मांग करते है जो यह दर्शाता है कि लोकतंत्र अब परिपक्व हो रहा है। श्री शुक्ल शहीद रामानंद सिंह की पुण्य तिथि पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि रामानंद सिंह शोषण व अन्याय के विरूद्ध आवाज उठाते थे तथा लोगों की मदद के लिये हमेशा आगे आ जाते थे। वह अपनी सहजता व सौम्यता के लिये भी जाने जाते थे। श्री शुक्ल ने कहा कि वर्षों पूर्व रीवा में अराजकता का वातावरण था। लोग सुरक्षित नहीं थे। मगर हमारी सरकार के आने के बाद रीवा व मध्यप्रदेश शांति का टापू बन गया है। लोग विकास की चर्चा करते हैं तथा अपने गली, मोहल्ले, कालोनी व शहर में विकास कार्यों के लिये जनप्रतिनिधियों से निःसंकोच अपनी मांगे रखते हैं। क्योकि जनता से चुने हुए व्यक्ति जनता के लिये ही कार्य कर रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने शहीद रामानंद सिंह एवं स्व. शिवेन्द्र सिंह जी को श्रृद्धांजलि अर्पित करते हुए आश्वस्त किया कि बरा मोहल्ले का नाम शहीद रामानंद सिंह के नाम पर तथा रिलायंस पेट्रोल पंप के बगल के मार्ग का नाम स्व. शिवेन्द्र सिंह जी के नाम पर कराये जाने का कार्य किया जायेगा। कार्यक्रम में सांसद सतना श्री गणेश सिंह, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक देवतालाब गिरीश गौतम, अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय, पूर्व सांसद देवराज सिंह एवं बुद्धसेन पटेल, पूर्व विधायक रामलखन पटेल, श्रीमती माया सिंह, डॉ. अजय सिंह, राम सिंह, रश्मि सिंह, पुष्पेन्द्र सिंह सहित बड़ी संख्या में क्रांतिकारी मोर्चा से जुड़े व्यक्ति तथा स्थानीय जन उपस्थित रहे।

एम्स भोपाल में फॉरेंसिक हिस्टोपैथोलॉजी फेलोशिप परीक्षा का सफल आयोजन

भोपाल। हाल ही में, एम्स भोपाल के फॉरेंसिक मेडिसिन और टॉक्सिकोलॉजी विभाग में सीनियर रेजिडेंट लिंक्ड फोरेंसिक हिस्टोपैथोलॉजी फेलोशिप परीक्षा का सफल आयोजन किया गया। यह एसआरएलएफ कार्यक्रम एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य सीनियर रेजिडेंट डॉक्टरों के कौशल को उन्नत करना है। फोरेंसिक हिस्टोपैथोलॉजी फॉरेंसिक विज्ञान का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जो चिकित्सा व कानूनी जांच में ऊतक नमूनों के सूक्ष्म विश्लेषण पर आधारित है। यह मृत्यु के कारणों की पहचान, पोस्टमॉर्टम अंतराल का अनुमान, तथा मृत्युपूर्व व मृत्योत्तर चोटों में अंतर करने में अहम भूमिका निभाता है। इसके अलावा, यह प्राकृतिक अचानक मौतों की जांच, घाव भरने की प्रक्रिया को समझने, और विषाक्त पदार्थों या दवाओं से होने वाली ऊतक क्षति की पहचान में भी उपयोगी है। अपराध जांच से आगे बढ़कर, फॉरेंसिक हिस्टोपैथोलॉजी न केवल चिकित्सा साक्ष्य प्रदान करती है बल्कि रोग पैटर्न और सार्वजनिक स्वास्थ्य अनुसंधान को भी प्रोत्साहित करती है। यह शैक्षिक प्रगति और फोरेंसिक विज्ञान तथा कानूनी प्रणाली में महत्वपूर्ण योगदान देती है। इस फेलोशिप परीक्षा के सफल आयोजन ने फोरेंसिक हिस्टोपैथोलॉजी में विशेषज्ञता के महत्व को रेखांकित किया है। यह पहल फॉरेंसिक विज्ञान में अकादमिक अनुसंधान और व्यावहारिक अनुप्रयोगों को प्रोत्साहित करने के प्रति एम्स की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिससे न्याय और सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्रों को निरंतर लाभ मिलेगा।

भारत में अपनी तरह की पहली इस फॉरेंसिक हिस्टोपैथोलॉजी फेलोशिप का उद्देश्य रेजिडेंट्स को जरूरी कौशल प्रदान करना है ताकि वे मेडिको-लीगल मामलों में अधिक सटीक व समग्र राय प्रस्तुत कर सकें और कानूनी मामलों को उचित निष्कर्ष तक पहुंचाने में मदद कर सकें। इस पाठ्यक्रम के समन्वयक डॉ. जयंती यादव (प्रोफेसर) और डॉ. जय चौरसिया (अतिरिक्त प्रोफेसर, पैथोलॉजी एवं लैब मेडिसिन विभाग) थे। विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. अरनीत अरोड़ा ने इस फेलोशिप के सफल संचालन पर प्रसन्नता व्यक्त की।

एम्स भोपाल में एनएबीएच मानकों पर छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में, संस्थान में एनएबीएच (राष्ट्रीय अस्पताल एवं स्वास्थ्य सेवा प्रदाता मानक बोर्ड) के छठे संस्करण मानकों के कार्यान्वयन पर छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम दो बैचों में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें डॉक्टरों, नर्सों, पैरा-मेडिकल स्टाफ और अस्पताल प्रशासन के छात्रों सहित कुल 250 स्वास्थ्य कर्मी भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण सत्रों के संचालन के लिए एनएबीएच द्वारा प्रतिष्ठित विशेषज्ञ एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डॉ. पवन कपूर, प्रो. मोनिका गुप्ता और सुश्री ग्रेसी मैथाई को एम्स भोपाल में प्रतिनियुक्त किया गया है। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए प्रो. सिंह ने स्वास्थ्य सेवा गुणवत्ता प्रबंधन में संस्थान की अग्रणी पहलों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, पिछले वर्ष एम्स भोपाल ने रिकॉर्ड समय में एनएबीएच एंट्री लेवल प्रत्यायन प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा किया और एक ही आवेदन एवं मूल्यांकन में 900 से अधिक बिस्तरों के लिए प्रत्यायन प्राप्त करने वाला देश का पहला एम्स बना। यह हमारी उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

प्रो. सिंह ने इस प्रशिक्षण पहल के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, इस कार्यक्रम के दौरान प्राप्त ज्ञान एम्स भोपाल को पूर्ण एनएबीएच और एनएबीएल प्रत्यायन की दिशा में आगे बढ़ने में महत्वपूर्ण योगदान देगा। मैं सभी प्रतिभागियों से आग्रह करता हूं कि वे इस अवसर का पूरा लाभ उठाएं और गुणवत्ता सुधार की संस्कृति को मजबूत करने में सहयोग करें। संस्थान सभी गुणवत्ता और सुरक्षा संबंधी पहलों के लिए पूर्ण समर्थन प्रदान करेगा। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम एम्स भोपाल की स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और रोगी सुरक्षा व देखभाल के उच्चतम मानकों का पालन सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एम्स भोपाल की डॉ. आयुषी सेठी ने 67वीं अखिल भारतीय प्रसूति एवं स्त्री रोग सम्मेलन में जीता सर्वश्रेष्ठ ई-पोस्टर पुरस्कार

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग ने फेडरेशन ऑफ ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनोकोलॉजी सोसाइटीज ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 67वें अखिल भारतीय प्रसूति एवं स्त्री रोग सम्मेलन में भाग लिया। यह सम्मेलन 8 से 12 जनवरी 2025 तक मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया गया था। इस आयोजन में प्रसूति एवं स्त्री रोग क्षेत्र की प्रगति पर केंद्रित सत्र, कार्यशालाएं, व्याख्यान और पैनल चर्चाएं आयोजित की गईं, जिनमें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ वक्ताओं ने भाग लिया। एम्स भोपाल के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की जूनियर रेजिडेंट, डॉ. आयुषी सेठी ने 10 जनवरी को वैज्ञानिक कार्यक्रम की ई-पोस्टर प्रतियोगिता में भाग लिया। उनका विषय था, प्राथमिक फैलोपियन ट्यूब कार्सिनोमा की पहचान और प्रबंधन में डायग्नोस्टिक लैप्रोस्कोपी की भूमिकाः डायग्नोस्टिक परिशुद्धता का एक मामला। उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए यह प्रतियोगिता जीती और नकद पुरस्कार के साथ सर्वश्रेष्ठ ई-पोस्टर पुरस्कार हासिल किया। यह सफलता प्रसूति एवं स्त्री रोग विभागाध्यक्ष डॉ. के. पुष्पलता, पीजी समन्वयक डॉ. अजय हलदर और ई-पोस्टर गाइड डॉ. अवंतिका गुप्ता के मार्गदर्शन में संभव हुई। यह उपलब्धि न केवल विभाग बल्कि पूरे संस्थान के लिए गर्व का विषय है। इस अवसर पर प्रो. सिंह ने कहा, यह हमारी संस्था के लिए गर्व का क्षण है कि हमारे प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग ने इस सम्मेलन में उत्कृष्टता का परिचय दिया। डॉ. आयुषी सेठी की सफलता न केवल उनकी व्यक्तिगत मेहनत का परिणाम है, बल्कि यह पूरे विभाग और संस्थान की सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक भी है।

हिवरखेड़ स्कूल में बच्चों को परोसा जा रहा घटिया भोजन, पालकों ने जताई नाराजगी

मध्याह्न भोजन की शिकायत पर ग्राम पंचायत उपसरपंच ने की जांच, बीआरसी ने दिया कार्रवाई का भरोसा

बैतूल। ग्राम पंचायत हिवरखेड़ के शासकीय स्कूल में बच्चों को परोसे जा रहे मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता को लेकर पालकों की ओर से लगातार शिकायतें मिल रही थीं। पालकों का आरोप था कि बच्चों को घटिया और खराब भोजन दिया जा रहा है। इन शिकायतों पर ध्यान देते हुए ग्राम पंचायत हिवरखेड़ की उपसरपंच डॉ. मीना गव्हाड़े ने तत्काल कार्रवाई करते हुए स्कूल प्राचार्य और शिक्षकों की उपस्थिति में पंचायत सदस्यों के साथ निरीक्षण किया। इस दौरान पंचायत सदस्यों में उर्मिला गव्हाड़े, कविता मगरदे, रामचंद्र कुंभारे, भोजराव कुंभारे, पुनित माकोड़े, प्रफुल्ल पाल, अशोक कुंभारे, विपिन

गावंडे, राजेश सोनारे, मयूर करोले, रोशन कड़ू, पंकज दाबडे और साहेबराव कुंभारे उपस्थित रहे। सभी ने स्कूल में मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता का निरीक्षण किया और पंचनामा तैयार किया। ग्राम पंचायत उपसरपंच डॉ. मीना गव्हाड़े ने ग्रामीणों की मौजूदगी में बीआरसी श्री खपरिया से मोबाइल पर चर्चा की। बीआरसी ने मामले की गहन जांच कराने और दोषियों पर कार्रवाई का भरोसा दिया। ग्रामवासियों और पालकों ने स्कूल में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि घटिया भोजन से बच्चों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है, जिसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जाएगा। ग्राम पंचायत के सदस्यों ने बीआरसी से मांग की कि जांच शीघ्र की जाए और इस मामले में जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई हो। उन्होंने यह भी संकल्प लिया कि बच्चों के स्वास्थ्य के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। इस पूरी कार्रवाई में ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी रही।

कांग्रेस की सोच ही सनातन विरोधी : सुधाकर पंवार

बैतूल। भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष सुधाकर पवार ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के विवादित बयान की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि शुरुआत से ही कांग्रेस की सोच सनातन विरोधी रही कांग्रेस के लोग राजनीति नहीं सनातन धर्म को नष्ट करने के लिए सदैव अनाप-शनाप बयानबाजी करते नजर आते है। महू में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष का सनातन विरोधी बयान एक बार फिर कांग्रेस की सच्चाई को सामने लाने

वाला है। श्री पंवार ने कहा कि देश भर के करोडों लोगों की आस्था के केंद्र महाकुंभ पर इस तरह का टिप्पणी करना उनकी मंद बुद्धि का प्रमाण है। आज जहां देश के कोने-कोने से लोग महाकुंभ में मां गंगा त्रिवेणी संगम पर पहुंच रहे हैं यह देश की एकता अखंडता और धर्म की पताका को ऊंचा करने का अवसर है। यह बात श्री पंवार ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जून खडगें के पुतला दहन के दौरान संबोधन में कही। इसके बाद कार्यकर्ताओ ने नारे लगाए और पूतला दहन कर दिया। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष इंद्रपाल पुण्डे, नपाध्यक्ष पार्वती बारस्कर, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष ममता मालवी, किसान मोर्चा अध्यक्ष महेश्वर सिंह चंदेल, युवा मोर्चा अध्यक्ष भास्कर मगरदे, पिछडा वर्ग मोर्चा अध्यक्ष संजू सोलंकी, मंडल अध्यक्ष कोठीबाजार विक्रम वैद्य, गंज मंडल अध्यक्ष विकास मिश्रा, दिपक श्रीवास्तव, कुण्लिक डांगे, शेखर बारस्कर सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

बिजली बिल के बोझ से बंद हुई नल जल योजना, पानी के लिए तरस रहे ग्रामीण

समय पर बिल जमा करने के बावजूद 31 हजार का बकाया, जनसुनवाई में रखी समस्या

बैतूल। जिला मुख्यालय से लगभग 100 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत खैरा के अंतर्गत आने वाले ग्राम आंकी रैयत में नल जल योजना का संचालन अधिक बिजली बिल के कारण ठप हो गया है। ग्रामीणों को इस समस्या से निजात दिलाने के लिए जनसुनवाई में अपर कलेक्टर राजीव नंदन श्रीवास्तव को ज्ञापन सौंपा गया। युवा आदिवासी विकास संगठन के जिला अध्यक्ष जितेंद्र सिंह इवने ने बताया कि नल जल योजना चालू होने के बाद से समिति द्वारा हर महीने बिजली बिल का समय पर भुगतान किया गया है। इसके प्रमाण के तौर पर रसीदें भी ग्रामीणों के पास मौजूद हैं। पूर्व सरपंच मोगीलाल बारस्कर ने बताया कि बिजली विभाग के सर्किट लाइनमैन द्वारा बिना रीडिंग देखे ही मनमानी तरीके से बिल वसूल किया जा रहा है। समिति ने 12 सितंबर 2022 से 25 जनवरी 2025 तक सभी बिलों का भुगतान किया है, लेकिन फिर भी 31 हजार रुपये का बकाया बता दिया गया है। इस भारी भरकम बिल के कारण नल जल योजना बंद हो गई है, जिससे ग्रामीणों को पानी की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि इस समस्या को लेकर पूर्व में बिजली

कंपनी, भीमपुर में आवेदन भी दिया गया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। पानी की इस किल्लत के चलते गांव में ग्राम सभा बुलाई गई और सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास किया गया। इस प्रस्ताव पंजी की प्रति अपर कलेक्टर को भी सौंपी गई है। जनसुनवाई में ज्ञापन सौंपने वालों में कमल, राजू, रामकरण, मनोज कुमरे, रामसिंह, कैलाश, छोटेलाल, श्रीराम, चुन्नी, गंगू, रामकिशोर और हरकचंद समेत कई ग्रामीण शामिल थे। उन्होंने जल्द से जल्द बिजली बिल की जांच कर नल जल योजना को फिर से शुरू करने की मांग की है। ग्रामीणों ने कहा कि पानी की समस्या से निपटने के लिए तत्काल समाधान जरूरी है।

ग्राम पंचायत सडूमर में आयोजित मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत विभिन्न हितग्राहियों को हितलाभ वितरित

नरसिंहपुर। विधायक श्री विश्वनाथ सिंह पटेल की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत जनपद पंचायत चांवरपाठा की ग्राम पंचायत सडूमर में हितलाभ वितरण सह लोकार्पण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। उल्लेखनीय है कि 12 दिसम्बर से 26 जनवरी तक चलाये गये मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत जनपद पंचायत चांवरपाठा की 86 ग्राम पंचायतों में घर- घर सर्वे के बाद यह शिविर आयोजित किये गये। ग्रामीणों द्वारा 18 विभागों की 36 योजनाओं एवं सेवाओं के लिए 12 हजार 160 आवेदन प्राप्त हुए। इन आवेदनों का निराकरण कर हितलाभ वितरण किया गया। ग्राम पंचायत सडूमर में आयोजित कार्यक्रम में आयुष्मान योजना के तहत 15 हितग्राहियों व 70 वर्ष के 115, पेंशन के 8, पात्रता

पर्ची के तीन, लाड़ली लक्ष्मी योजना के 5, प्रसूति के 5, खसरा बी- वन के 20 और जन्म- मृत्यु प्रमाण पत्र के 10 हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किये गये। विधायक श्री पटेल व अन्य जनप्रतिनिधियों ने 32.51 लाख रुपये की लागत के कुल 11 कार्यों का लोकार्पण और 36.19 लाख रुपये की लागत के कुल 5 कार्यों का भूमिपूजन किया। उन्होंने यात्री प्रतीक्षालय, 7.53 लाख रुपये की लागत की ग्वालियर टोला में सीसी रोड, 5.80 लाख रुपये लागत की सीसी रोड, 3.34 लाख रुपये लागत के सेग्रीगेशन शेड व अन्य सीसी रोड व नाली निर्माण कार्य का लोकार्पण किया। इसके अलावा 25 लाख रुपये लागत के हाट बाजार टीन शेड, 3.45 लाख रुपये लागत के स्वच्छता परिसर, सीसी रोड और सीसी रोड व नाली निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया।इस अवसर पर अन्य जनप्रतिनिधि, जनपद सीईओ श्री संजीव गोस्वामी व अन्य अधिकारी-कर्मचारी और गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

॥ मंदिरम् ॥

23

कैलासनाथ मंदिर, तमिलनाडु

कांचीपुरम का कैलासनाथ मंदिर, जिसे कैलासनाथर मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, भारत के तमिलनाडु के कांचीपुरम में स्थित पल्लव युग का ऐतिहासिक हिंदू मंदिर है। यह कांचीपुरम के सबसे पुराने जीवित स्मारकों में से एक है, जो शिव को समर्पित है। इसका निर्माण नरसिंहवर्मन द्वितीय ने 700 ई. के आसपास करवाया था, जिसमें महेंद्रवर्मन तृतीय ने कुछ और निर्माण किया था और इसमें द्रविड़ वास्तुकला की झलक मिलती है। यह एक चौकोर योजना वाला मंदिर है जिसमें एक मुख-मंडप (प्रवेश कक्ष), एक महा-मंडप (सभा कक्ष) और एक प्राथमिक गर्भगृह (गर्भगृह) है जिसके ऊपर चार मंजिला विमान है। मुख्य गर्भगृह नौ मंदिरों से घिरा हुआ है, सात बाहर और दो अंदर जो गर्भगृह के प्रवेश द्वार के दोनों ओर हैं, सभी में शिव को विभिन्न रूपों में दर्शाया गया है। मंदिर के प्राकार (प्रांगण) की बाहरी दीवारों के चारों ओर कक्ष हैं।

प्रयागराज जा रही अंबेडकर नगर एक्सप्रेस ट्रेन पर पथराव

छतरपुर-हरपालपुर स्टेशन पर बोगियों के दरवाजे नहीं खुलने से भड़के यात्री

छतरपुर (नप्र)। मध्यप्रदेश के छतरपुर और हरपालपुर रेलवे स्टेशन पर बुधवार देर रात महू से प्रयागराज जा रही डॉ अंबेडकर नगर- प्रयागराज एक्सप्रेस ट्रेन पर स्थानीय यात्रियों ने हमला कर दिया। घटना देर रात करीब 1 बजे की है, जब प्लेटफॉर्म पर खड़े यात्रियों ने ट्रेन के दरवाजे नहीं खोलने पर आक्रोशित होकर पथराव और तोड़फोड़ कर दी। ट्रेन में बैठे कुछ लोगों को मामूली चोट आई है।

पथराव में ट्रेन की कई बोगियों के दरवाजे और खिड़कियों को नुकसान पहुंचा है। हमले के दौरान ट्रेन में सवार यात्री, महिलाएं और बच्चों में डर दिखा। इस दौरान कुछ यात्रियों ने घटना का वीडियो बना लिया। वीडियो में यात्री सुरक्षा की गुहार लगाते नजर आ रहे हैं। वीडियो में कुछ लोग ट्रेन में लगे ग्लास पर पत्थर मारते दिख रहे हैं। ट्रेन के अंदर बैठे यात्रियों ने मदद की गुहार लगाते हुए वीडियो पोस्ट किया।

यात्रियों ने भीड़ को देखकर ट्रेन के गेट नहीं खोले- छतरपुर रेलवे स्टेशन के कर्मचारियों ने बताया कि रात करीब 12:45 बजे इंदौर से डॉ. अंबेडकर नगर से प्रयागराज जाने वाली ट्रेन (14115) स्टेशन पर रुकी, इस दौरान उसमें अंदर बैठे यात्रियों ने भीड़ को देखकर ट्रेन के गेट

नहीं खोले। इससे ट्रेन के बाहर खड़े लोग भड़क उठे। वे पत्थर, पानी बोतल फेंकने लगे। लोगों को जो मिल रहा था, वही फेंक रहे थे।

आरपीएफ जवान मौके पर थे, लेकिन वह कंट्रोल नहीं कर पाए तो हमने सिविल पुलिस को सूचना दी। समझाइश के बाद 40 मिनट बाद ट्रेन को रवाना किया गया।

छतरपुर सिविल लाइन थाना प्रभारी वाल्मीक चौबे ने बताया-रात करीब एक बजे छतरपुर रेलवे स्टेशन पर गेट नहीं खोलने के कारण कुछ लोगों ने ट्रेन में पत्थर मारकर तोड़फोड़ की है। सूचना के बाद हम लोग मौके पर पहुंचे, ट्रेन छतरपुर से प्रयागराज कुंभ जा रही थी, सभी आरोपी मौके से भाग गए थे।

पुलिस की समझाइश के बाद रवाना हुई ट्रेन

हरपालपुर थाना प्रभारी पुष्पक शर्मा ने बताया कि रात करीब दो बजे हरपालपुर रेलवे स्टेशन पर कुछ लोगों ने पथराव किया था। जानकारी लगने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और समझाइश देकर ट्रेन को रवाना किया, खजुराहो और छतरपुर में भी लोगों ने उपद्रव किया है।

रेलवे मंडल झांसी के पीआरओ मनोज सिंह ने बताया कि प्रयागराज जाने के लिए लोगों की भीड़ लगी हुई थी। कुछ महिलाएं और पुरुष ट्रेन के गेट खोलने को कह रहे थे। जब गेट नहीं खुले तो लोगों ने हंगामा किया। वीडियो में कुछ लोग कांच में तोड़फोड़ करते दिख रहे हैं।

घटना के दौरान फौरन ही आरपीएफ मौके पर पहुंची और लोगों को समझाइश देकर ट्रेन को रवाना कराया। हमने ओरछा से एक स्पेशल ट्रेन प्रयागराज के लिए चलाई है, ताकि किसी को कोई असुविधा न हो।

कुंभ स्पेशल ट्रेन में भी लोगों ने गेट नहीं खोले थे

रेल कर्मचारियों के मुताबिक रात में केवल 2 ही ट्रेन थी। उसके बाद आई कुंभ स्पेशल ट्रेन 20 मिनट लेट हुई है। उसमें भी लोगों ने अंदर से गेट बंद कर लिए थे। हम लोगों ने प्रयास किया तो केवल चार डिब्बे ही खोल पाए थे। वहीं रात में खजुराहो रेलवे स्टेशन पर भी लोगों ने जमकर हंगामा किया था। घटना के कारण ट्रेन 40 मिनट छतरपुर रेलवे स्टेशन पर लेट हुई थी।

कुएं का दूषित पानी पीने से महिला की मौत, 25 बीमार

गंभीर हालत में 10 लोग अस्पताल में भर्ती

खरगोन (नप्र)। मध्य प्रदेश के खरगोन जिले के बिस्तान क्षेत्र के मांडवखेड़ा गांव के कुंवर फलिया में दूषित पानी पीने से एक बुजुर्ग

महिला की मौत हो गई, जबकि दो दर्जन लोग बीमार हो गए हैं। इनमें से 10 लोगों की हालत गंभीर होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ग्रामीणों के अनुसार, गांव के कुएं का पानी कुछ दिनों से बदबूदार और रंग में बदलाव के साथ आ रहा था। बावजूद इसके, लोग मजबूरी में इसी पानी का उपयोग कर रहे थे। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर पानी के सैंपल ले रही है। स्वास्थ्य विभाग ने गांव में मेडिकल कैंप लगाकर बीमार लोगों का इलाज शुरू कर दिया है। अधिकारियों ने दूषित पानी के स्रोत की पहचान कर इसे बंद करने और वैकल्पिक जलप्रदाय की व्यवस्था के निर्देश दिए हैं। ग्रामीणों को स्वच्छ पानी के उपयोग के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

राजस्व अमले पर हमला, जान बचाकर भागे तहसीलदार-पटवारी

ग्वालियर में हमलावरों ने मारपीट के बाद डॉक्यूमेंट छीने, 10 आरोपी गिरफ्तार

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में जमीन सीमांकन के लिए पहुंची राजस्व टीम पर भीड़ ने हमला कर दिया। टीम को पीटा। पटवारी की

कार के कांच तोड़ दिए। डॉक्यूमेंट छीन लिए। तहसीलदार, पटवारी और दूसरे अफसरों को जान बचाकर भागना पड़ा।

मामला सोमवार शाम सिरोल के हुरावली मेहरा गांव का है। पटवारी की शिकायत पर 14 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। मंगलवार को पुलिस ने 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, 4 की तलाश की जा रही है।

हाईकोर्ट के आदेश पर पहुंचा था अमला

दरअसल, हुरावली मेहरा गांव में आकाश पाल और खेमराज पाल के परिवारों के बीच जमीन विवाद चल रहा था। दोनों जमीन पर अपना-अपना दावा कर रहे थे। कई साल में जब विवाद नहीं सुलझा तो वे कोर्ट पहुंच गए। सुनवाई के बाद तीन दिन पहले मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ ने जमीन के सीमांकन का आदेश पारित किया था। हलका नंबर-60 तहसील सिटी सेंटर के पटवारी अजय सिंह राणा, तहसीलदार सिटी सेंटर अनिल राघव, आरआई होत्तम सिंह यादव, आरआई राजकिशोर, पटवारी केके वर्मा, पटवारी नीरज शर्मा के साथ सीमांकन स्थल पर पहुंचे थे।

प्रशासन की कार्रवाई को गलत बताते हुए किया हमला

जब पटवारी के नक्शा और डिटेल के आधार पर सीमांकन किया जा रहा था, तभी मौके पर करीब 50 लोग इकट्ठा हो गए। उन्होंने प्रशासन की कार्रवाई को गलत बताते हुए हमला कर दिया। पटवारी अजय राणा की शिकायत पर आकाश पाल, खेमराज पाल, संजय पाल, बारेलाल पाल, संतोष पाल, लखन पाल, दिनेश, बृजेश पाल, कल्याण सिंह, सुघर सिंह पाल, कल्लू पाल, राजू पाल, देवेश बघेल और अजय बघेल के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया था।

10 आरोपी गिरफ्तार, 4 की तलाश जारी

पुलिस ने इस मामले में तत्काल कार्रवाई करते हुए 10 आरोपियों आकाश पाल, खेमराज, संजय, बारेलाल, संतोष, बारेलाल, संतोष उर्फ सतीश, लखन पाल, दिनेश पाल, बृजेश, कल्याण, सुघर सिंह को गिरफ्तार कर लिया। फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस टीम दबिश दे रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जापान में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जापान के टोक्यो में एडोगावा सिटी स्थित गांधी पार्क में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महात्मा गांधी के अहिंसा के सिद्धांत की चर्चा करते हुए कहा कि बापू के आदर्श आज भी पूरी दुनिया में लोगों को प्रेरित करते है। उन्होंने महात्मा गांधी के विचारों को भारत-जापान संबंधों से जोड़ते हुए कहा कि बापू का अहिंसा का सिद्धांत जापान के गौतम बुद्ध के सिद्धांतों के साथ मेल खाता है। यह दोनों देशों के बीच गहरे संबंधों को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के नायकों का उल्लेख करते हुए कहा, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, रासबिहारी बोस, स्वामी विवेकानंद और रवींद्रनाथ ठाकुर जैसे महान नेता जापान से जुड़ी हमारी ऐतिहासिक मित्रता का प्रतीक हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश में 24-25 फरवरी 2025 को आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 की महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि जापान आज प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी है। यह भारत और मध्यप्रदेश के लिए निवेश और व्यापार के नए अवसरों की संभावनाएं प्रस्तुत करता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्वास व्यक्त किया कि भारत और जापान के बीच संबंधों में और प्रगाढ़ता आएगी और दोनों देशों के बीच साझेदारी के नए रास्ते खुलेंगे। उन्होंने इस अवसर पर सभी को शुभकामनाएं भी दीं।

13 मौतों के दोषी बस ड्राइवर को 10-10 साल जेल

ग्वालियर कोर्ट ने सुनाई सजा, 4 साल पहले

बस-ऑटो की टक्कर में गई थी जान

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में सड़क हादसे में 13 मौतों के मामले में कोर्ट का फैसला आ गया। सोमवार को अपर सत्र न्यायाधीश विवेक कुमार सिंह ने ऑटो सवारों की मौत के लिए दोषी बस ड्राइवर सुखदेव सिंह को हर एक मौत के लिए 10-10 साल की सजा सुनाई। ये सजा एक साथ चलेगी। कोर्ट ने आरोपी पर 26 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। जुर्माने की राशि पीड़ितों के परिजनों को दी जाएगी। बता दें कि 23 मार्च 2021 की सुबह एक ऑटो ग्वालियर से मुरैना रोड पर चमन पार्क की तरफ जा रहा था। तभी मुरैना से ग्वालियर की तरफ आ रही बस एमपी 07-6882 ने ऑटो को टक्कर मार दी थी। इसमें 12 महिलाओं और ऑटो ड्राइवर की मौत हो गई थी।

आंगनवाड़ी से खाना बनाकर लौट रही थी महिलाएं- ऑटो में 12 महिलाएं सवार थी। वह रात में आंगनवाड़ी में स्कूली बच्चों के लिए खाना बनाकर लौट रही थीं। 9 महिलाओं और ऑटो ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई थी। तीन महिलाओं को अस्पताल ले जाया गया। यहां डॉक्टरों ने उन्हें भी मृत घोषित कर दिया गया। इस मामले में ग्वालियर आरटीओ एपीएस चौहान को सस्पेंड कर दिया गया था।

दो ऑटो से जा रही थी, एक खराब हो गया था- चश्मदीदों ने बताया था कि हादसे में जान गंवाने वाली सभी 12 महिलाएं 2 ऑटो से लौट रही थीं। इनमें से एक ऑटो में सिर्फ 3 सवारी बैठाने की कैपेसिटी थी, लेकिन 6 बैठाई गई थीं। रास्ते में एक ऑटो खराब हो गया। तब इसमें बैठी 6 महिलाएं साथ चल रहे दूसरे ऑटो में बैठ गईं। इस तरह एक ही ऑटो में 12 सवारी हो गईं और 13वां ऑटो चालक था।

निशातपुरा रेल्वे स्टेशन पहुंचे सांसद

भोपाल में 4 स्टेशन हो जाएंगे, सबसे पहले मालवा-सोमनाथ वेरावल एक्सप्रेस रुकेगी

भोपाल (नप्र)। भोपाल का चौथा रेलवे स्टेशन निशातपुरा फरवरी के आखिरी में शुरू हो सकता है। अभी भोपाल, रानी कमलापति (आरकेएमपी) और संत हिरदाराम (बैरागढ़) रेलवे स्टेशन हैं। मंगलवार को सांसद आलोक शर्मा ने निर्माणाधीन निशातपुरा स्टेशन का निरीक्षण किया। स्टेशन पर सबसे पहले मालवा और सोमनाथ वेरावल एक्सप्रेस का स्टॉपेज होगा।

सांसद शर्मा ने निशातपुरा रेलवे स्टेशन पर नवनिर्मित प्लेटफॉर्म, पैदल पार पुल, यात्री सुविधा के लिए लगाई गई लिफ्ट, रैम्प, यात्री प्रतीक्षालय सहित अन्य कार्यों का निरीक्षण किया। हालांकि, सांसद शर्मा जब स्टेशन पर पहुंचे तो उन्हें दो जगह पूछना पड़ा कि स्टेशन कहां है? उन्होंने रेलवे अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्टेशन पर सेंट्रल वेयर हाउस की गोदाम को हटाकर एंट्री गेट सुगम बनाएं। जिससे यात्रियों के लिए आवागमन की सुविधा सुलभ हो सके।

इन ट्रेनों का स्टॉपेज होगा- सांसद शर्मा ने मालवा एक्सप्रेस और सोमनाथ वेरावल एक्सप्रेस को निशातपुरा स्टेशन से संचालित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि इससे भोपाल स्टेशन और रानी कमलापति स्टेशन पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा।

रेल मंत्री से मांगेंगे समय- निरीक्षण के दौरान सांसद शर्मा ने पार्किंग व्यवस्था और सौंदर्यीकरण करने के भी अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा, जल्द ही रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर निशातपुरा स्टेशन के आरंभ की तिथि समय मांगेंगे। रेल

मंत्री से समय मिलते ही संभवतः फरवरी के अंत तक यह स्टेशन यात्रियों की सुविधा के लिए शुरू हो जाएगा। भ्रमण के दौरान डीआरएम देवाशीष त्रिपाठी, वरिष्ठ मंडल प्रबंधक सौरभ कटारिया आदि भी मौजूद थे।

वेयर हाउस हटाने को लेकर कलेक्टर से बात की- सांसद ने निरीक्षण के दौरान ही भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह से बात की। कहा कि जल्द वेयर हाउस को हटाया जाए। ताकि, एंट्री और एक्जिट गेट बनाए जा सके।

करोड़पति कॉन्स्टेबल सौरभ, उसका साथी चेतन 4 फरवरी तक रिमांड पर

भोपाल में लोकायुक्त ऑफिस में 5 घंटे चली पूछताछ; पार्टनर शरद भी हिरासत में

भोपाल (नप्र)। आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा और उसके सहयोगी चेतन गौर को विशेष अदालत (लोकायुक्त) ने 4 फरवरी तक रिमांड पर सौंप दिया है। लोकायुक्त पुलिस ने दोनों को मंगलवार को हिरासत में लिया। सौरभ को लोकायुक्त ने कोर्ट परिसर के बाहर और चेतन को लोकायुक्त कार्यालय में हिरासत में लिया गया। इसके बाद उससे 5 घंटे तक पूछताछ की गई। इधर, सौरभ के पार्टनर शरद जायसवाल भी मंगलवार दोपहर को अपने वकील के साथ लोकायुक्त में बयान दर्ज कराने पहुंचे। बयान दर्ज करने के बाद लोकायुक्त पुलिस ने उन्हें भी हिरासत में ले लिया।

सौरभ के वकील बोले-असंवैधानिक तरीके से अरेस्ट किया- सौरभ के वकील राकेश पाराशर ने बताया कि सौरभ कोर्ट के

आदेश पर आज 11 बजे हाजिर होने वाला था। लेकिन, लोकायुक्त पुलिस ने उसे असंवैधानिक तरीके से अरेस्ट कर लिया। जबकि सौरभ ने सोमवार को कोर्ट में खुद उपस्थित होकर सरेंडर करने का आवेदन दिया था। पाराशर ने लोकायुक्त के खिलाफ कोर्ट में आवेदन भी लगा दिया है।

सौरभ की गिरफ्तारी पर ईडी करेगा वेट एंड वॉच

सौरभ शर्मा की गिरफ्तारी के बाद ईडी अभी वेट एंड वॉच की स्थिति में है। लोकायुक्त पुलिस के रिमांड के दौरान की जाने वाली जांच रिपोर्ट आने के बाद ईडी मुख्यालय तय करेगा कि सौरभ को रिमांड पर लेना है या नहीं। ईडी ने सौरभ शर्मा के यहां जो छापेमारी की है उसका वेरिफिकेशन सौरभ की मौजूदगी में उसके घर पर कराया जाएगा। करोड़पति पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा से लोकायुक्त की टीम ने करीब 5 घंटे तक पूछताछ की। इसके बाद उसे भोपाल कोर्ट में पेश किया गया।सौरभ शर्मा के पार्टनर शरद जायसवाल अपने वकील के साथ लोकायुक्त ऑफिस पहुंचे। उनके वकील सूर्यकांत बुझाड़े ने बताया कि लोकायुक्त की ओर से पिछले दिनों शरद के एड्रेस पर एक नोटिस चस्पा किया गया था।

इसमें उसे लोकायुक्त कार्यालय में 27 तारीख को उपस्थित होकर बयान दर्ज करने की बात लिखी थी। जिसके बाद वे खुद लोकायुक्त कार्यालय आए। बताया जा रहा है कि लोकायुक्त ने बयान दर्ज करने के बाद उन्हें भी हिरासत में ले लिया है।

प्रदेश में जनवरी में चौथी बार गिरेगा मावठा

भोपाल-इंदौर समेत 15 जिलों में आज से बदलेगा मौसम, 2-3 डिग्री बढ़ेगा पारा

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में जनवरी में चौथी बार मावठा गिरेगा। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की वजह से 29 जनवरी को भोपाल, इंदौर-ग्वालियर समेत करीब 15 जिलों में बूंदाबांदी हो सकती है। हालांकि, कहीं भी तेज बारिश होने की संभावना नहीं है। फरवरी की शुरुआत में भी प्रदेश में बारिश होने के आसार है।

मौसम विभाग के मुताबिक, उत्तरी हवाओं की वजह से प्रदेश में पिछले 4 दिन से तेज ठंड पड़ रही है। मंगलवार से ठंड से राहत मिल सकती है। दिन-रात के तापमान में 2 से 3 डिग्री की बढ़ोतरी होगी। वहीं, बारिश का दौर शुरू होगा।

4 दिन में 2 सिस्टम एक्टिव होंगे

मौसम विभाग ने 29 जनवरी और 1 फरवरी को दो वेस्टर्न डिस्टरबेंस के

एक्टिव होने का अनुमान जताया है। जिसका असर प्रदेश में भी देखने को मिलेगा। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया, वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की वजह से फरवरी के शुरुआती 4 दिन तक मौसम बदला रहेगा।

1 से 4 फरवरी के बीच पूर्वी और दक्षिणी हिस्से में कहीं-कहीं बारिश हो सकती है। इनमें रीवा, शहडोल, जबलपुर, सागर, ग्वालियर, चंबल और नर्मदापुरम संभाग के जिले शामिल हैं। 29 जनवरी को कुछ जिलों में बूंदाबांदी हो सकती है।

आज ऐसा रहेगा मौसम

भोपाल, इंदौर, छिंदवाड़ा, सीहोर, पन्ना, राजगढ़, सिंगरौली, रीवा, शहडोल, सागर, नर्मदापुरम, ग्वालियर, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर में कहीं-कहीं बूंदाबांदी हो सकती है।

दिन में पारा उछला, रात में लुढ़का

दक्षिण-पूर्वी हवाओं की वजह से पिछले सप्ताह प्रदेश से ठंड जैसे गायब हो गई थी, लेकिन शुक्रवार से तापमान में फिर से गिरावट होने लगी। रविवार-सोमवार की रात में भी कई शहरों में पारा काफी लुढ़का रहा। शहडोल का कल्याणपुर सबसे ठंडा रहा। यहां पारा 2.8 डिग्री रहा।

उमरिया में 4.8 डिग्री, सिंगरौली के देवरा में 5.3 डिग्री, राजगढ़ में 5.6 डिग्री, शाजापुर के गिरवर और मंडला में 6 डिग्री, नौगांव में 6.6 डिग्री, सतना-खजुराहो में 7 डिग्री, पचमढ़ी में 7.8 डिग्री, रीवा-रायसेन में 8 डिग्री, गुना-टीकमगढ़ में 8.2 डिग्री, दमोह-सीधी में 8.6 डिग्री और मलाजखंड में 9 डिग्री रहा।

बड़े शहरों की बात करें तो ग्वालियर सबसे ठंडा रहा। यहां पारा 6.3 डिग्री दर्ज किया गया। भोपाल में 8.3 डिग्री, जबलपुर में 7.4 डिग्री, इंदौर में 12.5 डिग्री और उज्जैन में 11.2 डिग्री सेल्सियस रहा।